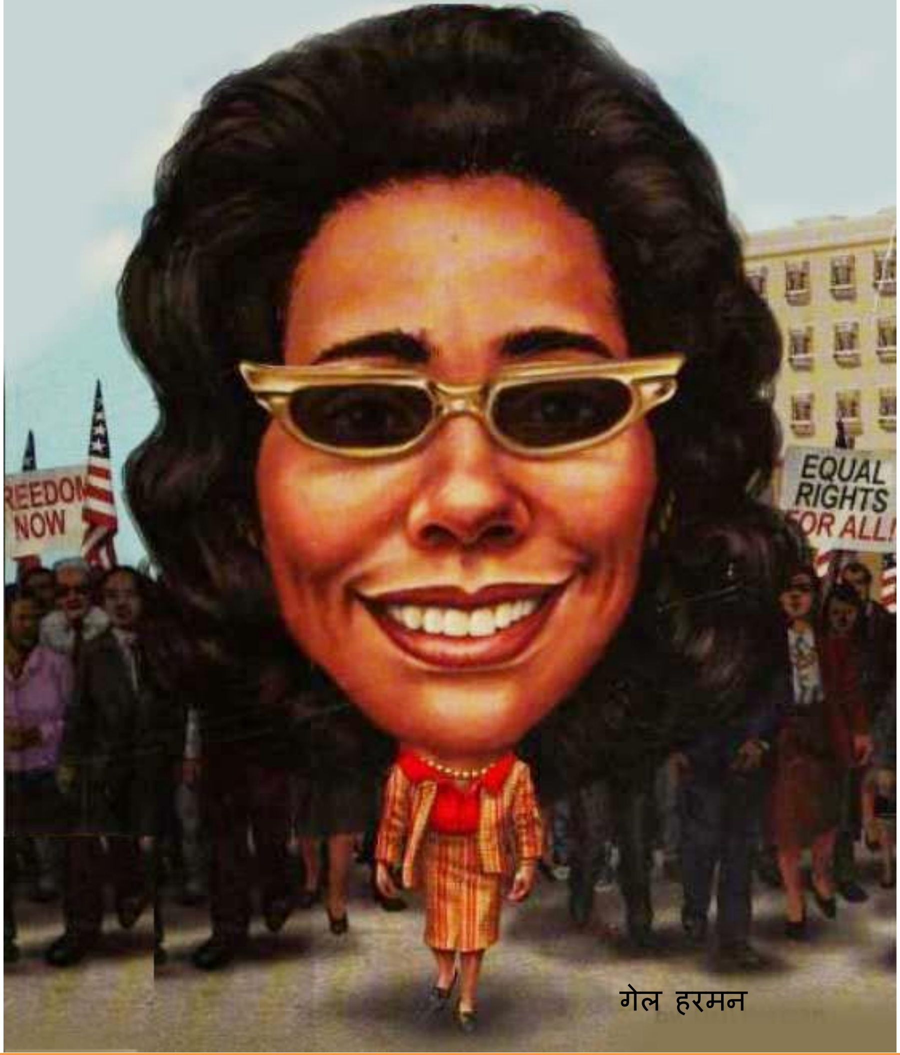
कोरेटा स्कॉट किंग

कौन थीं?



गेल हरमन

कोरेटा स्कॉट किंग

कौन थीं?



गेल हरमन

चित्र: ग्रेगरी कोपलैंड

विषयवस्तु



कोरेटा स्कॉट किंग कौन थीं?

1968 के शुरुआती वसंत का एक ठंडा और बूंदाबांदी वाला दिन था. कोरेटा स्कॉट किंग, मेम्फिस, टेनेसी में एक हवाई जहाज से उतरीं. कुछ दिन पहले, 4 अप्रैल को, उनके पति, मार्टिन लूथर किंग जूनियर की, शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. कोरेटा अब इकतालीस साल की उम्र में विधवा हो गईं थीं. वो बहुत दुखी और थकी हुई थीं, लेकिन दृढ़ निश्चयी थीं.

अश्वेत अमेरिकियों को गोरे लोगों जैसे, समान अधिकार दिलवाने के लिए मार्टिन ने नागरिक-अधिकार आंदोलन छेड़ा था. उन्होंने मेम्फिस में एक विरोध मोर्चे का नेतृत्व करने की योजना बनाई थी. अब उनकी हत्या कर दी गई थी. लेकिन वो मोर्चा अभी भी आयोजित किया जा रहा था.

क्यों?

क्योंकि मार्टिन वो चाहते थे, और कोरेटा वो जानती थीं. और वो जानती थीं कि उन्हें भी वहां होना चाहिए था. जब कभी भी मार्टिन को उनकी जरूरत पड़ी तो वो हमेशा मार्टिन के साथ होती थीं.

और अब कोरेटा को उस काम को और आगे बढ़ाने की जरूरत थी.

कुछ दोस्तों ने कोरेटा से वहाँ न जाने का आग्रह किया. उन्हें डर था कि उनकी जान को खतरा होगा. लेकिन कोरेटा ने उनकी बात नहीं सुनी.

मोर्चे में, कोरेटा और उनके तीन बच्चों ने भीड़ के सामने अपने हाथ जोड़े. और फिर वे धीरे-धीरे चलने लगे.



प्रदर्शनकारी—एक अनुमान के अनुसार लगभग बयालीस हजार थे. उन्होंने लगभग एक मील तक मार्च किया. उनके गुज़रते समय लोग सड़क पर दोनों ओर लाइन लगाकर खड़े थे. किसी ने खुशी नहीं जताई न ही हाथ लहराया या चिल्लाए. वे बहुत दुखी थे.

सिटी हॉल में मार्टिन के बारे में कई लोग बोले. उसके बाद कोरेटा की बारी आई. उन्होंने एक पति और पिता के रूप में मार्टिन के जीवन के बारे में बातें की. अंत में, उन्होंने कहा, "एक स्वतंत्र और सच्चा और शांतिपूर्ण समाज बनाने से पहले कितने लोगों को मरना होगा? ऐसा समाज बनने में कितना समय लगेगा?"

उसके बाद, उनकी सबसे बड़ी बेटी ने कहा, "मम्मी, आप वास्तव में बहुत अच्छा बोलीं."

कोरेटा ने उम्मीद जताई कि उनकी उपस्थिति ने लोगों को ताकत दी होगी. वहां पर होने से कोरेटा को भी ताकत मिली. उन्होंने नागरिक-अधिकारों के मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए पहले से खुद को कहीं अधिक दृढ़ महसूस किया. समानता के संघर्ष में वो हमेशा मार्टिन की भागीदार रही थीं. मार्टिन का मानना था कि वो और कोरेटा "इस रास्ते पर एक साथ चले थे."

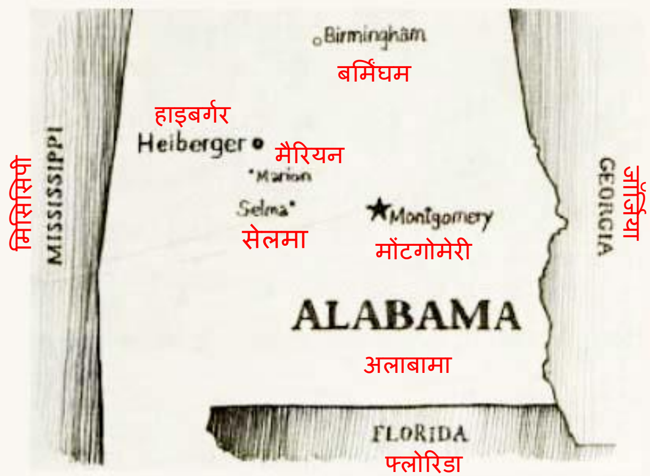
यह सच था. कोरेटा स्कॉट किंग शुरू से ही शांति और न्याय में विश्वास करती थीं.



अध्याय 1

स्कॉट परिवार

कोरेटा स्कॉट का जन्म 27 अप्रैल, 1927 को मैरियन, अलबामा के बाहर छोटे से शहर हेइबर्गर में हुआ था. कभी-कभी इस क्षेत्र को वहां पाए जाने वाले समृद्ध काले तेल के कारण "ब्लैक बेल्ट" कहा जाता था. लेकिन 1800 के दशक में उस शब्द का एक दूसरा ही अर्थ था. वो उन काले दासों का उल्लेख करता था जिन्होंने कभी बागान (प्लांटेशन्स) कहे जाने वाले बड़े कपास के खेतों में काम किया था.



उनका जीवन कठोर था. वो कमरतोड़ काम और मालिकों के क्रूर व्यवहार से भरा हुआ था.

दासों को, मालिक की सम्पत्ति समझा जाता था बिल्कुल एक घोड़े या फर्नीचर की तरह. उनका अपना कोई अधिकार नहीं था. गोरे मालिक उन्हें कोड़े मार सकते थे, उन्हें बेच सकते थे, या उन्हें मौत के घाट उतार सकते थे.



विलिस स्कॉट

1865 में गृह युद्ध समाप्त होने के बाद, सभी गुलाम मुक्त कर दिए गए थे. कई अन्य लोगों की तरह, वे भी वहीं रहे जहां वे पहले रहते थे. अलबामा में, समय के साथ, विलिस अपने लिए कुछ ज़मीन ख़रीदने में कामयाब हुए. वर्षों से, स्कॉट परिवार की कई पीढ़ियों ने उस क्षेत्र में कड़ी मेहनत से खेती की, और परिवारों का पालन-पोषण किया था.

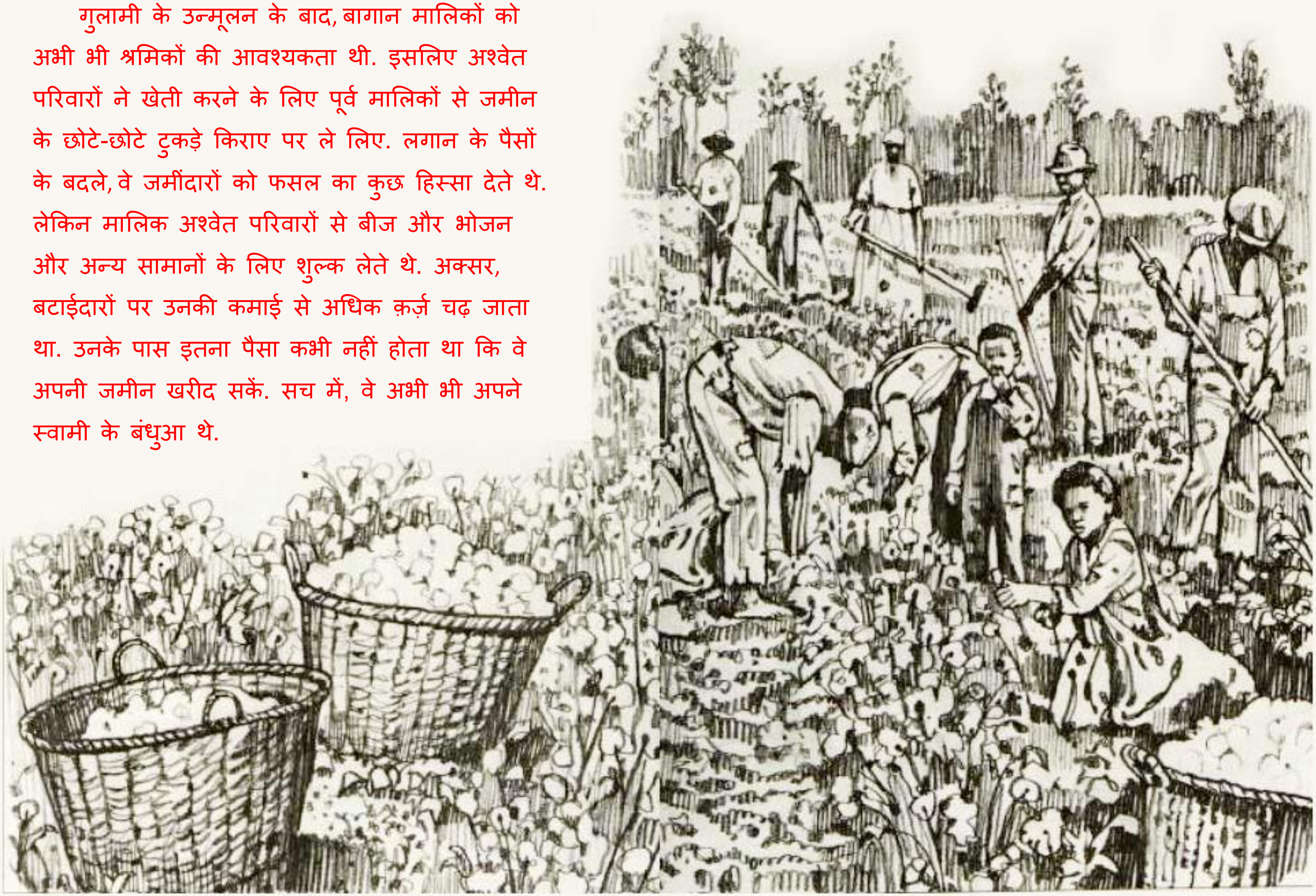
1920 में, कोरेटा के पिता, ओबद्याह "ओबी" स्कॉट ने बर्निस मैकमरी से शादी की.

उन्होंने दो कमरों वाला एक छोटा, सादा घर बनाया: एक रसोई और एक शयनकक्ष. जल्द ही, उनका एक परिवार हो गया: एडिथ, कोरेटा और ओबी जूनियर. गुलामी साठ साल पहले समाप्त हो गई थी. लेकिन अफ्रीकी-अमेरिकियों के लिए जीवन अभी भी काफी कठिन था.



गुलाम से बटाईदार तक

गुलामी के उन्मूलन के बाद, बागान मालिकों को अभी भी श्रमिकों की आवश्यकता थी. इसलिए अश्वेत परिवारों ने खेती करने के लिए पूर्व मालिकों से जमीन के छोटे-छोटे टुकड़े किराए पर ले लिए. लगान के पैसों के बदले, वे जमींदारों को फसल का कुछ हिस्सा देते थे. लेकिन मालिक अश्वेत परिवारों से बीज और भोजन और अन्य सामानों के लिए शुल्क लेते थे. अक्सर, बटाईदारों पर उनकी कमाई से अधिक क़र्ज़ चढ़ जाता था. उनके पास इतना पैसा कभी नहीं होता था कि वे अपनी जमीन खरीद सकें. सच में, वे अभी भी अपने स्वामी के बंधुआ थे.

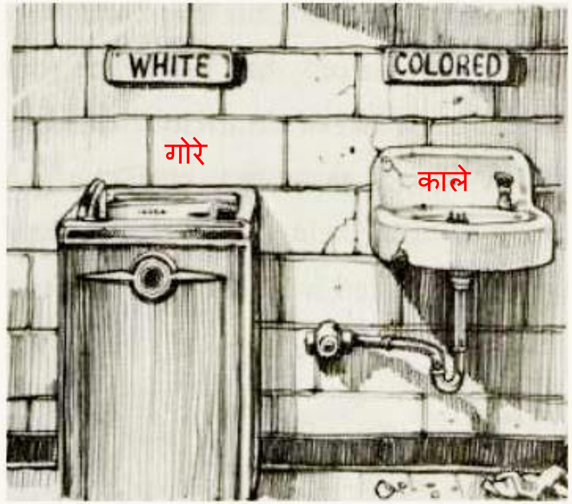


अलबामा और दक्षिण के अन्य हिस्सों में, काले लोगों को गोरे लोगों से अलग कर दिया गया था. वहां के कानूनों ने उन्हें अलग रखा था.

ओबी ने एक आरा मिल में काम किया, जहाँ इमारती लकड़ी के तनों को तख्तों में काटा जाता था. जब तक कोरेटा का जन्म हुआ, तब तक वो एक ट्रक खरीदने के लिए काफी बचत कर चुके थे. अब वो पेड़ों की ढुलाई का काम करते थे.



जिम-क्रो कानून



1870 के दशक के अंत से 1960 के दशक के मध्य तक, दक्षिण में अफ्रीकी-अमेरिकी लोग "जिम क्रो" नामक नस्लवादी कानूनों के तहत रहते थे. काले और गोरे लोगों के अलग-अलग स्कूल और पार्क, टॉयलेट और पानी के नल, अस्पताल और व्यवसाय थे. इसे "अलग, लेकिन समान" कहा जाता था. लेकिन ऐसा नहीं था. उनसे काले अमेरिकियों को बहुत भुगतना पड़ता था.

1929 में, जब कोरेटा एक बच्ची थीं, तभी अमरीका में महामंदी आई. वो पूरे अमरीका में बड़ी कठिनाई का समय था. लाखों लोगों की नौकरियां चली गईं. और फिर ओबी ने भी अपना काम खो दिया.

स्कॉट घर में केवल घर गर्म रखने के लिए एक अलाव था लेकिन नल का पानी या बिजली नहीं थी. लेकिन स्कॉट परिवार ने कैसे करके अपना काम चलाया. वे अपने बगीचे की सब्जियाँ और अपनी मुर्गियों के अंडे खाते थे. परिवार में सभी मेहनत करते थे. कोरेटा को वो ठीक लगता था.

कोरेटा को व्यस्त रहना पसंद था. जैसे ही वो चलने लगी वो खेतों में मदद करने के लिए दादाजी स्कॉट के पीछे-पीछे जाती थी.

छह साल की उम्र में, कोरेटा ने परिवार के बगीचे में काम करना शुरू कर दिया. दस साल की उम्र में वो कपास के खेतों में काम कर रही थी. उसे कपास चुनने के अपने कौशल पर गर्व था. ताकतवर और मजबूत इरादों वाली, कोरेटा ने दावा किया कि वो अपनी उम्र के किसी भी लड़के की तुलना में अधिक तेजी से कपास चुन सकती थी.



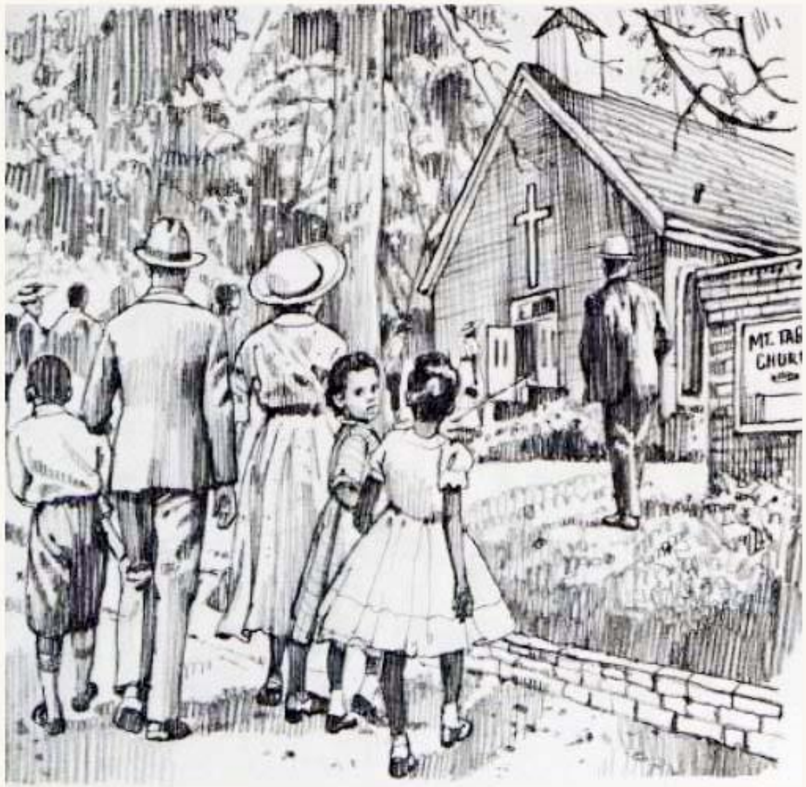


कोरेटा को उसमें मज़ा भी आता था. वो एक टॉमबॉय थी. उसे घर के बाहर रहना पसंद था. उसे ततैया के घोंसलों को तोड़ने या मछली के कांटें में केंचुए फंसाने में कोई डर नहीं लगता था.

स्कॉट परिवार का घर संगीत से भरा था. कोरेटा के माता-पिता के पास एक विक्टरोलस यानि एक शुरूआती रिकॉर्ड प्लेयर था. उनके पास किताबें भी थीं.

माता-पिता कोरेटा, एडिथ और ओबी को बार-बार नर्सरी राइम्स और परियों की कहानियां पढ़कर सुनाते थे.

स्कॉट परिवार धार्मिक था इसलिए कोरेटा का अधिकांश जीवन चर्च के चारों ओर केंद्रित था. हर रविवार, पुरुष सूट पहनते थे और महिलाएं अपनी सबसे अच्छी टोपी और कपड़े पहनती थीं.



स्कॉट परिवार के बच्चों को संडे स्कूल जाने के लिए चार मील पैदल चलना पड़ता था. दादाजी स्कॉट भजन गाकर चर्च सेवा शुरु करते थे. कोरेटा को संगीत बेहद पसंद था.

इन सबने कोरेटा को गौरव और इतिहास का बोध कराया. लेकिन हाइबर्गर के बाहर भी एक पूरी दुनिया थी. वो काले लोगों और गोरे लोगों के लिए अलग-अलग नियमों से भरी हुई थी. प्राथमिक विद्यालय में, कोरेटा ने पहली बार रंगभेद का अनुभव किया.

गॉस्पेल और आध्यात्मिक गीत

गृहयुद्ध के बाद, कई दक्षिणी काले लोगों ने अपने स्वयं के चर्चों का निर्माण किया. उन्होंने एक नए प्रकार का संगीत भी रचा : गॉस्पेल संगीत. गॉस्पेल संगीत की जड़ें आध्यात्मिक कहे जाने वाले गीतों में निहित थीं, जिन्हें दासों ने रचा था. दासों ने दर्द और विश्वास से भरे "ही हेज़ गॉट द होल वर्ल्ड इन हिज़ हैंड्स" जैसे गीत गाए. बाद में, गॉस्पेल भजन "हम होंगे कामयाब" नागरिक-अधिकार आंदोलन का मुख्य गीत बन गया.



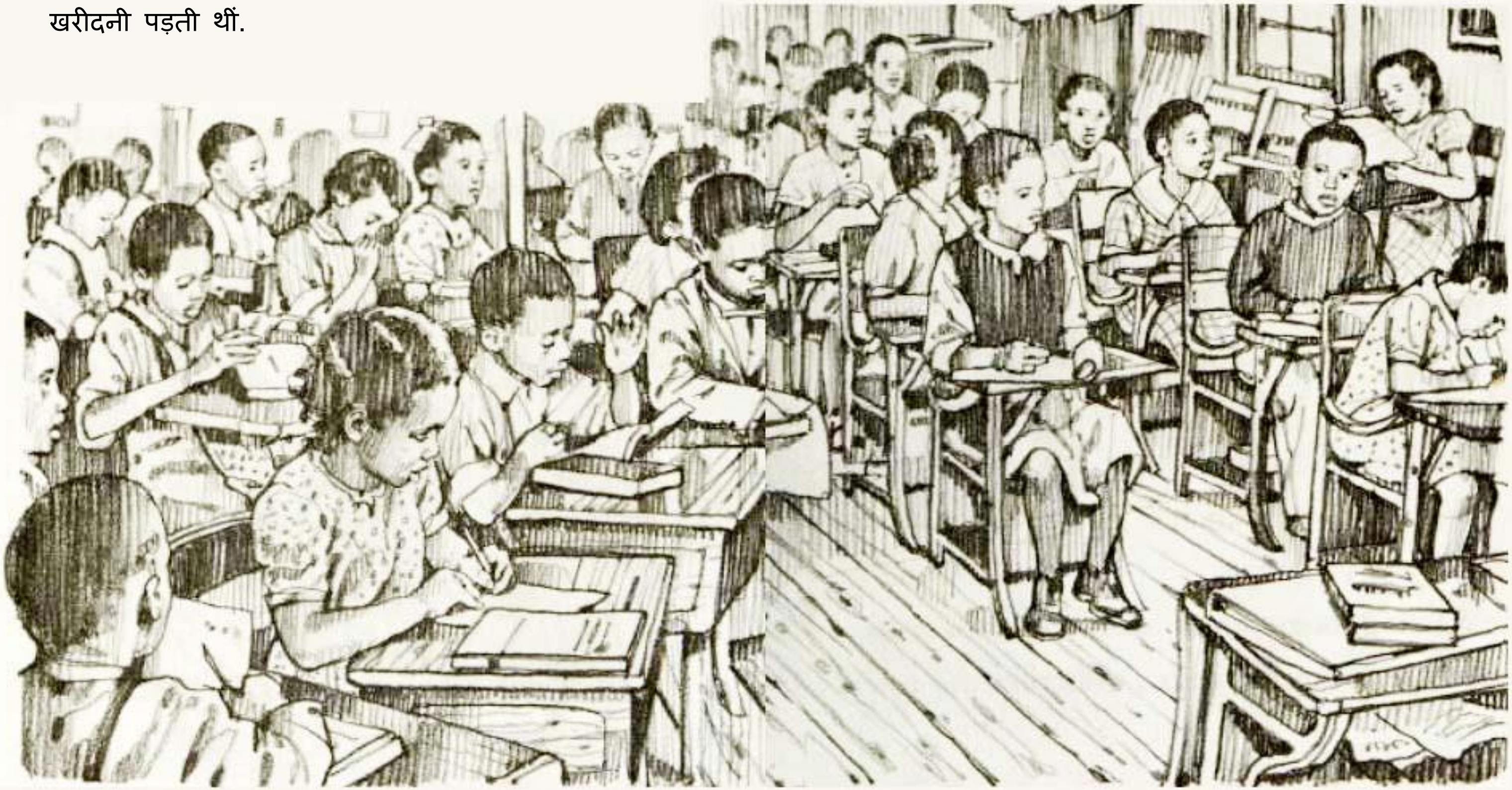
अध्याय दो

स्कूल शुरू करना

जब वो पाँच साल की थी तब कोरेटा ने 1932 में क्रॉसरोड स्कूल में जाना शुरू किया. स्कूल एक बड़ा कमरा था जिसमें सौ से अधिक छात्रों के लिए केवल दो ही शिक्षक थे. छात्रों को खुद अपनी किताबें खरीदनी पड़ती थीं.

स्कूल में कुछ ब्लैकबोर्ड थे, लेकिन उससे ज़्यादा और कुछ नहीं था. वो स्कूल पास के गोरे बच्चों के विद्यालय जैसा बिल्कुल भी नहीं था.

चाहे मौसम जो भी हो, कोरेटा और एडिथ रोज़ तीन मील पैदल चलकर स्कूल जाते थे. स्कूल की बसें केवल गोरे बच्चों के लिए थीं.





जब कोरेटा ने पूछा कि सफेद बच्चे बस में सवारी क्यों करते हैं, तो उसकी मां ने जवाब दिया, "बेटा, यहाँ यही तरीका है." लेकिन माँ ने बात वहीं पर नहीं छोड़ी. "लेकिन तुम किसी और की तरह ही अच्छी हो... तुम अच्छी शिक्षा प्राप्त करके और कुछ बनने की कोशिश कर सकती हो. फिर कभी कोई तुम्हें परेशान नहीं करेगा."

कोरेटा समझ गई कि उसकी माँ क्या कह रही थीं. कोरेटा खुद के लिए और दूसरों के लिए खड़े होने में विश्वास करती थी.

उसी दिन स्कूल से घर लौटते हुए तीन सहपाठी उन दोनों बहनों को परेशान करने लगे.

लड़के काफी बड़े थे. एक ने एडिथ को धक्का दिया. "ऐसा मत करो!" कोरेटा ने लड़के को पकड़ा और चिल्लाई. "वो मेरी बहन है! उसे अकेला छोड़ दो."



लड़कों ने वही किया.

लेकिन कोरेटा जिम-क्रो कानूनों से नहीं लड़ सकी. जब वो आइसक्रीम के लिए शहर में गई, तो उसे स्टोर के मुख्य दरवाजे का नहीं, बल्कि साइड वाले दरवाज़े क इस्तेमाल करना पड़ा.

फिर उसे हर गोरे व्यक्ति के आइसक्रीम खरीदने तक इंतजार करना पड़ा. वो आइसक्रीम की केवल कुछ ही किस्में खरीद सकती थी: शायद वो किस्में, जिन्हें और कोई नहीं चाहता था. और उसे उसकी वही कीमत चुकानी पड़ती थी.

जब कोरेटा दस साल का हुई, तो स्कॉट परिवार नए फर्नीचर के साथ एक बड़े घर में शिफ्ट होने में कामयाब हुआ.

लेकिन कोरेटा बहुत लंबे समय तक उस घर में नहीं रही. सितंबर 1939 में, बारह वर्ष की आयु में, वो सातवें ग्रेडर के रूप में, लिंकन स्कूल में एडिथ के साथ पढ़ने चली गई.

लिंकन दस मील दूर मैरियन में एक निजी स्कूल था. ट्यूशन फीस एक साल के लिए थी चार डॉलर और पचास सेंट. स्कॉट के लिए वो फीस अधिक थी. लेकिन निकटतम काले बच्चों का पब्लिक स्कूल उनके नए घर से बीस मील दूर था.

लिंकन में, कोरेटा को शहर में एक अश्वेत परिवार के साथ रहना पड़ा. एक बार फिर, स्कूल बसें केवल श्वेत छात्रों के लिए ही थीं, और उसके पास पैदल यात्रा करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था.

कोरेटा पहली बार अपने घर से दूर रह रही थी. लेकिन अब कोरेटा किसी गोरे स्कूल जितने अच्छे स्कूल में ही पढ़ रही थी. स्कूल का उद्देश्य स्नातकों को अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय की सेवा करने के लिए प्रेरित करना था.

उसके नए स्कूल में, गोरे और काले शिक्षक, एक-साथ काम करते थे. लेकिन स्कूल के मैदान के बाहर हर जगह नस्लवाद था.



मैरियन शहर, हाइबर्गर से काफी बड़ा था. अक्सर, कोरेटा को शहर में चलना डरावना लगता था. गोरे लड़के फुटपाथ पर उसका रास्ता रोक सकते थे, और वे कोरेटा को सड़क पर घसीटने की कोशिश कर सकते थे.



जब कोरेटा ने एक गोरी महिला के लिए घर की सफाई की, तो महिला को उम्मीद थी कि कोरेटा पिछले दरवाजे का इस्तेमाल करेगी. कोरेटा को वहां बिल्कुल विनम्र तरीके से कार्य करना था. सौभाग्य से, कोरेटा को उस महिला के लिए बहुत लंबे समय तक काम नहीं करना पड़ा.

1942 में थैंक्सगिविंग की रात कोरीटा, मैरियन में थी जब उसे और एडिथ को फोन पर यह पता चला: स्कॉट्स का घर जला दिया गया था!



तब तक ओबी आर्थिक रूप से बहुत अच्छा कर रहे थे, लेकिन कुछ गोरे लोगों को उनसे जलन हो रही थी.

ओबी को सालों से धमकाया जा रहा था. बंदूकधारियों ने उन्हें सड़क पर धमकाया था. हर बार, ओबी उनकी आँखों में सीधे देखते थे और अपने मजबूत, शांत तरीके से उनका सामना करते थे. और हर बार वो बच जाते थे. अब किसी ने उनके घर में आग लगा दी थी. वो किसने किया होगा?

पुलिस—जिसमें सभी गोरे थे —ने कुछ भी मदद नहीं की. स्कॉट को कुछ समय के लिए दादाजी मैकमरी के साथ जाकर रहना पड़ा.

उसके कुछ ही समय बाद, 1943 के वसंत में, ओबी ने अपनी खुद की एक आरा मिल स्थापित की. एक श्वेत व्यक्ति उसे खरीदना चाहता था. लेकिन ओबी ने उसे बेचने से मना कर दिया. "ठीक है, उससे तुम्हारा कुछ खास भला नहीं होगा," उस आदमी ने ओबी को धमकी दी. दो हफ्ते बाद, आरा मिल जलकर खाक हो गई थी. इस बार, ओबी को पुलिस से कोई उम्मीद नहीं थी. फिर ओबी के दिमाग में एक नया विचार आया: एक किराने की दुकान खोलने का. मैरियन स्थित स्कूल की फीस भरने के लिए स्कॉट दृढ़ थे.



जब कोरेटा जूनियर थी, तो वो घर वापस आई. ओबी ने अपने एक ट्रक को स्कूल की बस में बदल दिया था. अब बर्निस बस चलाकर कोरेटा को लिंकन के स्कूल ले जाता था, और वो रास्ते में अन्य बच्चों को भी बस में बैठाता था.

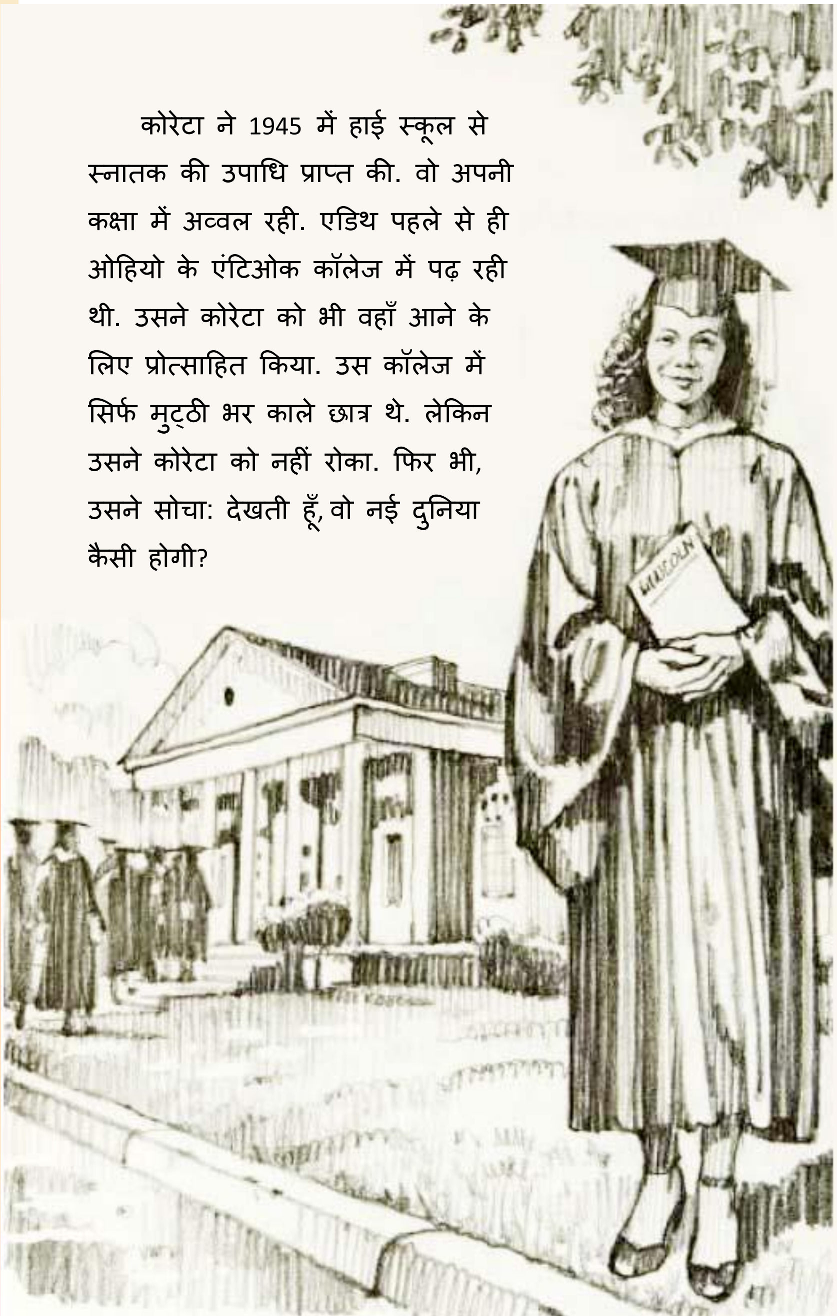


तब तक, कोरेटा ने ट्रम्पेट और पियानो बजाना और स्कूल में संगीत सीखना शुरू कर दिया था. एक प्रतिभाशाली छात्रा के रूप में उसने गाने का भी खूब अभ्यास किया.



लिंकन के छात्रों ने दूर-दूर की यात्राएँ कीं, संगीत कार्यक्रम दिए. उन्होंने सफेद और काले दोनों दर्शकों के लिए संगीत कार्यक्रम आयोजित किए. कोरेटा ने देखा कि कैसे संगीत लोगों को एक साथ लाता था. उसे लगा शायद, संगीत दुनिया को बदलने का एक तरीका हो सकता था.

कोरेटा ने 1945 में हाई स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की. वो अपनी कक्षा में अव्वल रही. एडिथ पहले से ही ओहियो के एंटिओक कॉलेज में पढ़ रही थी. उसने कोरेटा को भी वहाँ आने के लिए प्रोत्साहित किया. उस कॉलेज में सिर्फ मुट्ठी भर काले छात्र थे. लेकिन उसने कोरेटा को नहीं रोका. फिर भी, उसने सोचा: देखती हूँ, वो नई दुनिया कैसी होगी?



अध्याय 3

उत्तर की यात्रा



एंटिओक में मुखर कोरेटा ने अचानक शर्म महसूस की. वहां सब कुछ बहुत अलग था! वो एक करीबी, सर्व-अश्वेत समुदाय में रहने की अभ्यस्त थी. अब वो इतने सारे गोरे अजनबियों के बीच थी. उसके रूममेट और उसके शिक्षक सभी गोरे थे.

उनमें से ज्यादातर लोग मिलनसार थे. लेकिन कोरेटा के नए गोरे दोस्तों को यह कभी नहीं दिखाई दिया कि काले लोगों के पास कभी भी वो मौके नहीं थे जो गोरों के पास थे.

वे कोरेटा से पूछते थे: "अधिक काले छात्र कॉलेज क्यों नहीं जाते?" उन्हें उम्मीद थी कि वो अपनी पूरी कौम के लिए बोलेगी. और कभी-कभी उसके गोरे दोस्त, काले लोगों के बारे में ऐसी टिप्पणी करते थे जो कोरेटा को परेशान करती थीं.



"बेशक, तुम अलग हो, कोरी," और फिर उन्होंने कोरेटा एक अलग उपनाम दे डाला!

शुरू में उसके लिए कक्षाएं कठिन थीं. लेकिन धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास बढ़ता गया. आखिरी वर्ष तक, कोरेटा को उसके गायन के लिए पूरे परिसर में जाना जाने लगा. उसने संगीत की कक्षाएं लेना जारी रखीं और एक टीचर बनने के लिए भी अध्ययन किया.

अपनी पढ़ाई के दौरान, उसे पास के एक प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाना था. हालाँकि, गोरे छात्रों के माता-पिता नहीं चाहते थे कि कोरेटा उनके बच्चों को पढ़ाए.

क्या एंटिओक में कोरेटा के पक्ष में कोई खड़ा हुआ?

कोई भी नहीं! यह बड़े दुख की बात थी. किसी ने कुछ भी नहीं किया. कॉलेज के अध्यक्ष ने भी नहीं.

कोरेटा दंग रह गई. एंटिओक अपने खुले विचारों और निष्पक्षता के लिए जाना जाता था. और फिर भी, वहां भारी नस्लवाद था.

अंत में कोरेटा को एंटिओक परिसर में एक स्कूल में पढ़ाना पड़ा. वो ऐसा नहीं करना चाहती थी. लेकिन वो भला और क्या कर सकती थी? उसे अपना कोर्स जो खत्म करना था.

अध्याय 4

अपने पैरों पर खड़े होना



एंटिओक में रहकर, कोरेटा ने महसूस किया कि अगर वो खुद के लिए एक बेहतर जीवन चाहती थी, तो उसे शिक्षा से कुछ ज्यादा करने की जरूरत होगी. उसे समान अधिकार चाहिए थे. उसे सभी अफ्रीकी-अमेरिकियों के लिए बदलाव के लिए काम करने की जरूरत थी. फिर वो NAACP में शामिल हो गईं.

कोरेटा अन्य संगठनों में भी शामिल हुई.



"मुझे इन समस्याओं का सामना करना पड़ता रहेगा. इसलिए, मैं उन समस्याओं को अपने ऊपर हावी नहीं होने दूंगी," उसने खुद से कहा. "मुझे अब एक समझौता करना होगा. लेकिन मुझे उसे सही मानने की ज़रूरत नहीं है."

और मार्च 1950 में, उसने काले अधिकारों का समर्थन करने के लिए एक संगीत कार्यक्रम में गाया. शो के स्टार - प्रसिद्ध अभिनेता, गायक और कार्यकर्ता पॉल रॉबसन ने कोरेटा को अपना संगीत जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया.



जब कोरेटा ने अगले साल एंटिओक छोड़ा तब उसने बोस्टन में, न्यू इंग्लैंड कंज़र्वेटरी ऑफ म्यूजिक में अपनी पढ़ाई जारी रखी. उसने बीकन हिल के एक बड़े घर में कमरा ले रखा था. वो संकरी, घुमावदार सड़कों के एक सुंदर ऐतिहासिक क्षेत्र में स्थित था.

नेशनल एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ़ कलर्ड पीपल (NAACP)

अश्वेत लोगों की उन्नति के लिए राष्ट्रीय संघ

1909 में गठित, NAACP अमरीका के पहले नागरिक-अधिकार समूहों में से एक था. उसका मिशन यह सुनिश्चित करना कि अश्वेत लोगों को समान-अधिकार मिलें.

अनुचित कानूनों को बदलने के लिए समूह कई मामलों को अदालत में लेकर गया. आज, NAACP के पांच लाख से अधिक सदस्य हैं.





कोरेटा पैसों को लेकर भी चिंतित थी. वो केवल पंद्रह डॉलर लेकर बोस्टन आई थी. उसने एक स्कॉलरशिप जीता. इससे उसे स्कूल की फीस जमा करने में मदद मिली. लेकिन उसे खाना भी तो खाना था. कोरेटा ने सफाई और ऑफिस का काम करने वाली नौकरियां खोजीं. फिर उसे पैसा मिला, एक आश्चर्यजनक जगह से - अलबामा राज्य से.

अलबामा राज्य ने एक युवा अश्वेत महिला की मदद क्यों की?

एक कहावत है: बुराई से कभी अच्छाई भी निकल सकती है. इसका मतलब है कि एक गलती होने से कुछ सही भी हो सकता है.

कोरेटा के साथ यही हुआ. चूंकि अलबामा ने प्रतिभाशाली अश्वेत छात्रों को संगीत सीखने के लिए कोई वज़ीफ़ा नहीं दिया था, इसलिए राज्य को बोस्टन में कोरेटा के कुछ खर्चों को कवर करना पड़ा. अब कोरेटा पैसों के बारे में चिंता करना बंद कर दी थी.

बोस्टन में, कोरेटा व्यस्त थी लेकिन वो अकेली थी. हालांकि बोस्टन में "केवल गोरों" वाले संकेत नहीं थे, लेकिन फिर भी कई जगहों पर अश्वेतों को स्वागत नहीं किया जाता था.

तभी कोरेटा के एक दोस्त का फोन आया. "क्या तुमने एम. एल. किंग जूनियर के बारे में सुना है?" उसने पूछा. उन दिनों हर कोई मार्टिन लूथर किंग को "एम. एल." बुलाता था. दोस्त को लगा कि मार्टिन और कोरेटा एक अच्छी जोड़ी बनाएंगे.

कोरेटा ने मार्टिन के बारे में नहीं सुना था. लेकिन मित्र ने समझाया कि वो बोस्टन विश्वविद्यालय में धर्म का अध्ययन कर रहे थे. सबसे पहले, कोरेटा ने अपनी दिलचस्पी नहीं दिखाई. उसे लगा कि धर्म की पढ़ाई करने वाला इंसान बहुत गंभीर होगा. लेकिन आखिरकार, वो मान गईं. कोरेटा तब यह नहीं जानती थीं, लेकिन वो अपने जीवन के सबसे बड़े मोड़ पर आ रही थीं.

युवा मार्टिन लूथर किंग जूनियर



मार्टिन का जन्म अटलांटा, जॉर्जिया में 15 जनवरी, 1929 को हुआ था. उनके पिता एक चर्च के पादरी थे, और चर्च मार्टिन का दूसरा घर था. एक उत्कृष्ट छात्र, मार्टिन ने हाई स्कूल में दो ग्रेड छोड़े, फिर मोरहाउस कॉलेज, एक ऑल-ब्लैक, लड़कों के स्कूल से स्नातक किया. कॉलेज के बाद, वो भी अपने पिता की तरह चर्च के पादरी बने.

अध्याय 5

मार्टिन से मुलाकात

जब मार्टिन ने फोन किया तो वो बिना रुके बात करता रहा. और अगले दिन दोपहर के भोजन पर, मार्टिन ने कोरेटा को व्यक्तिगत रूप से पहले बिल्कुल प्रभावित नहीं किया. लेकिन इस बार, जब मार्टिन ने बोलना शुरू किया, तो कोरेटा ने उसे आकर्षक और ईमानदार पाया. उनके कई विचार और मूल्य एक-समान थे. वो दोनों परिवर्तन और समानता चाहते थे. वो अपनी जाति और दुनिया की उन्नति में योगदान करना चाहते थे.



मिलने के अंत में, मार्टिन ने कहा, "चार चीजें जो मैं एक पत्नी में देखता हूं वे हैं - चरित्र, बुद्धि, व्यक्तित्व और सुंदरता. और तुम में वे सभी हैं." मार्टिन जानते थे कि वो कोरेटा से शादी करना चाहते थे.

कोरेटा को वे सिर्फ शब्द लगे. मार्टिन उसे जानते भी नहीं थे! लेकिन अगले कुछ महीनों में उन्होंने एक साथ अधिक समय बिताया. मार्टिन के साथ रहना मज़ेदार, खुला और ईमानदार था. कोरेटा को मार्टिन से प्यार हो रहा था.

लेकिन क्या वो अभी शादी करना चाहती थीं? उस समय, 1950 के दशक में, ज्यादातर महिलाओं को शादी और करियर के बीच चयन करना होता था. मार्टिन पादरी बनने वाले थे. वो घर सँभालने वाली पत्नी चाहते थे जो उनके चर्च और उनके आयोजनों में कुछ मदद कर सके.

कोरेटा की अपने करियर योजनाएँ थीं. वो संगीत के करियर को आगे बढ़ाना चाहती थीं. अब वो क्या करें?

कोरेटा जानती थीं कि यह उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण फैसला होगा. अंत में, उन्होंने मार्टिन से शादी करने का फैसला किया. और शायद, किसी तरह, वो अपना भी करियर बनाने की कोशिश करेंगी.



कोरेटा और मार्टिन ने 18 जून, 1953 को, स्कॉट परिवार के घर में शादी की. मार्टिन के पिता, जिन्हें हर कोई डैडी किंग बुलाता था, ने समारोह का आयोजन किया. वो जॉर्जिया की राजधानी अटलांटा में, एबेनेज़र बैपटिस्ट चर्च के पादरी थे.

कोरेटा के पास समारोह में कहे जाने वाले शब्दों के बारे में पक्के विचार थे. वो उन हिस्से को छोड़ देना चाहती थीं जहां दुल्हन, पति की आज्ञा मानने का वादा करती है. इसलिए डैडी किंग ने वही किया. कोरेटा ने सफेद शादी का गाउन नहीं, पर एक नीले रंग की पोशाक पहनी. कोरेटा को अपने तरीके से काम करना पसंद था.



डैडी किंग

शादी करने के बाद, दंपति अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए बोस्टन लौटे. 1954 में, मार्टिन को अलबामा के मॉन्टगोमरी में डेक्सटर एवेन्यू बैपटिस्ट चर्च में नौकरी मिली.

सात लंबे वर्षों के बाद, कोरेटा वापस दक्षिण जा रही थीं.

अध्याय 6

वापस अलबामा में



उस सितंबर में, किंग परिवार अलबामा की राजधानी मोंटगोमरी पहुंचे. कोरेटा ने अपने नए घर के लिए एक पियानो खरीदा. वो संडे स्कूल में पढ़ाती भी थीं. अब उन्हें वहां घर जैसा महसूस होने लगा. और जल्द ही, वो फिर से छोटे शहरों में गा रही थीं.

कुछ ही महीने पहले, सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया था कि काले बच्चों के लिए अलग स्कूल होना अनुचित था और उसे रोके जाना चाहिए था. कई लोग इसे नागरिक-अधिकार आंदोलन की वास्तविक शुरुआत मानते हैं.

मार्टिन जानते थे कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से भी, काले लोगों के जीवन में बदलाव आसानी से नहीं आएगा. उसके लिए उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ेगी. वो उसे शांतिपूर्ण विरोध के माध्यम से करेंगे. शुरू करने के लिए, उन्होंने एक चर्च समिति पर अपना ध्यान केंद्रित किया, एक समूह जो दूसरे लोगों की मदद करने के लिए समर्पित था. तुरंत ही, अश्वेतों को वोट देने के लिए कैसे पंजीकरण कराना है, यह समझाने के लिए एक क्लास शुरू की गई.



जल्द ही, एक प्रेरक वक्ता और नेता के रूप में मार्टिन की प्रतिष्ठा बढ़ी.

अलबामा में जाने के एक साल बाद, कोरेटा और मार्टिन को एक बच्ची हुई. उन्होंने उसका नाम योलान्डा, संक्षेप में "योकी" रखा. किंग परिवार के लिए वो एक बेहद महत्वपूर्ण क्षण था—वे एक परिवार शुरू कर रहे थे!



दो हफ्ते बाद मॉन्टगोमरी में एक और महत्वपूर्ण घटना हुई. 1 दिसंबर, 1955 को रोजा पार्क्स नाम की एक अश्वेत महिला, मोंटगोमरी डिपार्टमेंटल स्टोर से काम करके बाहर निकलीं. फिर वो एक बस में चढ़ीं और सीट पर बैठ गईं.

वो एक छोटे सा कृत्य, दक्षिण के लिए बड़े बदलाव लाया. और फिर पूरे देश में भी.

अध्याय 7

बदलाव धीरे-धीरे आता है

मोंटगोमरी और पूरे दक्षिण में, सिटी बसों के अपने नस्लवादी नियम थे. पहली चार पंक्तियाँ श्वेत सवारियों के लिए आरक्षित थीं. यदि वे सीटें भरी हुई होतीं, तो गोरे यात्री, बस के पिछले हिस्से में "काली" सीटें ले सकते थे. अगर उनमें अफ्रीकी-अमेरिकी बैठे होते तो उन्हें अपनी सीट छोड़कर खड़े होना पड़ता था. अगर कोई अफ्रीकी-अमेरिकी मना करता उसे बस से उतार दिया जाता या फिर गिरफ्तार कर लिया जाता था.

उस दोपहर, रोजा पार्क्स काले लोगों के लिए आरक्षित सीट पर बैठी थीं. फिर बस में भीड़ हो गई पर रोजा ने अपनी सीट छोड़ने से इनकार कर दिया. उससे एक गोरे आदमी को खड़े रहना पड़ा.

रोजा पूरे दिन मेहनत का काम करके लौटी थीं और वो बेहद थकी हुई थीं. सीट पर बैठना उनका अधिकार होना चाहिए था. लेकिन रोजा पार्क्स को उनके किए के लिए गिरफ्तार किया गया. उसके बाद NAACP जैसे समूह रोज़ा के बचाव में कूद पड़े.



मार्टिन ने मॉन्टगोमरी के काले नेताओं से मुलाकात की. उन्होंने सार्वजनिक बसों का बहिष्कार करने का निर्णय लिया; इसका मतलब था कि अब काले लोग बसों में सवारी करना बंद कर देंगे. मोंटगोमरी में, सत्तर प्रतिशत बस यात्री काले थे.

यदि वे सभी बहिष्कार करते, तो शहर को पैसे की हानि होती. उससे कई अन्य व्यवसायों को भी नुकसान होता. काले ग्राहक कुछ भी खरीदने के लिए दुकानों में नहीं जा पाते. और जब गोरे व्यापारी बहुत पैसा खोना शुरू कर देते, तब शायद बस नियम भी बदलते.

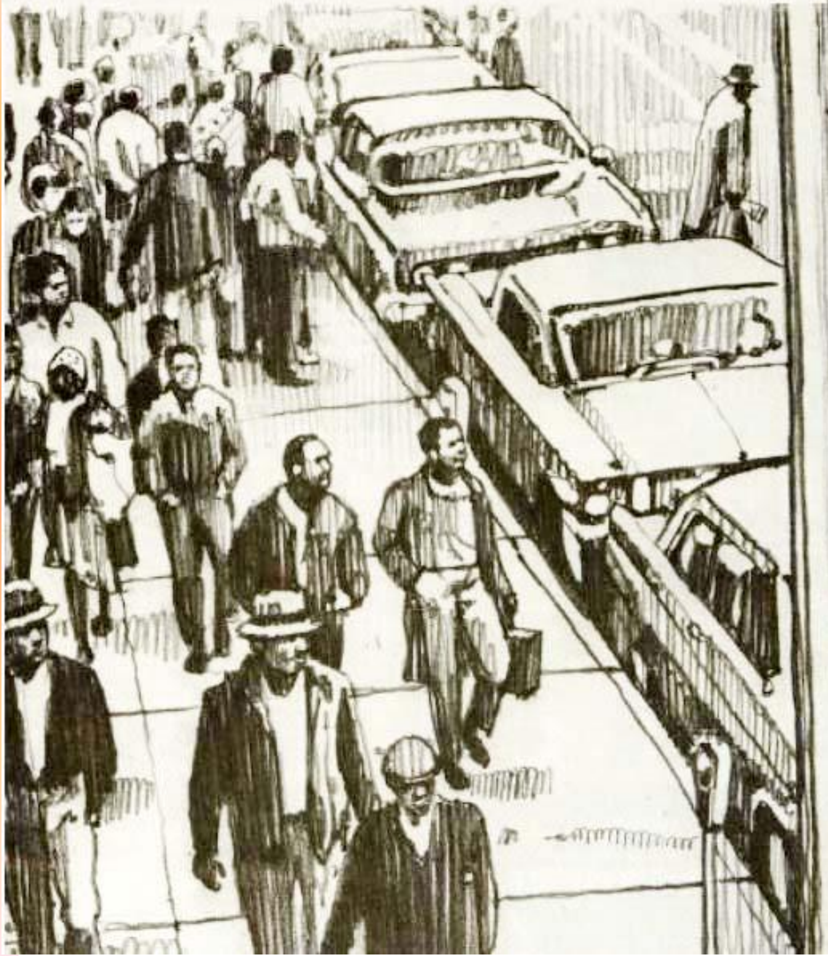
रोजा पार्क्स के जेल से रिहा होने के कुछ दिनों बाद और मार्टिन के काम के कारण, काले लोगों द्वारा बसों का बहिष्कार शुरू हो गया.

कोरेटा उस सुबह साढ़े पाँच बजे उठीं. वो चिंतित और उत्साहित थीं. खिड़की से उन्हें एक बस स्टॉप दिखाई दे रहा था.

कुछ देर बाद पहली बस आई और वहां रुकी. "मार्टिन!" कोरेटा ने फोन किया. "जल्दी आओ!" बस के अंदर कोई भी यात्री नहीं है. दूसरी बस भी खाली है. फिर मार्टिन अन्य बसों की जाँच करने के लिए अपनी कार में गए.



दिन के अंत में, शायद ही किसी अफ़्रीकी-अमेरिकी ने बस की सवारी की हो. लोग वहां गए जहां उन्हें जाने की जरूरत थी. उन्होंने दूसरों की गाड़ियों और ट्रकों में सवारी की. उन्होंने टैक्सियाँ लीं. बहिष्कार तब तक जारी रहेगा जब तक काले लोगों के पास गोरे लोगों के समान "बस" अधिकार नहीं होंगे.





विरोध का नेतृत्व करने के लिए एक नए समूह का गठन किया गया और मार्टिन उसके अध्यक्ष चुने गए. उसका नाम "मोंटगोमरी इम्प्रूवमेंट एसोसिएशन" था.

कोरेटा और मार्टिन समझ गए थे कि बहिष्कार शुरू करने का काम जोखिम भरा होगा. कुछ गोरे लोग, काले लोगों की उन्नति को रोकने के लिए कुछ भी कर सकते थे. हिंसा हो सकती थी. बहिष्कार के नेता के रूप में मार्टिन के साथ, पूरा किंग परिवार खतरे में पड़ सकता था. फिर भी, कोरेटा ने विरोध को अपनी 100 प्रतिशत स्वीकृति दी.

किंग परिवार का घर मुख्यालय में बदल गया. वहां दिन-रात मीटिंग्स होती थीं.



कोरेटा के पास खिलाने और देखभाल करने के लिए नवजात योकी थी. साथ में वो बाकी मेहमानों का ख्याल रखती थीं. कोरेटा, मेल और फोन कॉल संभालती थीं और यह सुनिश्चित करती थीं कि जानकारी आगे रिले हो.

उन्होंने मार्टिन से कहा, "इतिहास के इस क्षण में, तुम्हारे साथ मॉन्टगोमरी में रहकर मैं कितनी खुश हूं."

सप्ताह बीतते गए और बहिष्कार जारी रहा. काले लोगों ने अभी भी बसों में सवारी करने से इनकार किया. शहर के अधिकारियों ने सख्ती अपनाने का फैसला किया. उन्होंने मार्टिन को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने मार्टिन को जेल में डाल दिया.



किस लिए?

मार्टिन पच्चीस मील प्रति घंटे के क्षेत्र में तीस मील प्रति घंटे की रफ़्तार से गाड़ी चला रहे थे. कोरेटा को उसकी पहले ही उम्मीद थी. कोरेटा ने मार्टिन को जेल जाने से बचने के लिए भी आगाह किया था. कोरेटा जानती थीं कि मार्टिन की गिरफ्तारी लोगों को एकजुट करेगी और पूरे देश में एक बड़ी खबर बनेगी.

कोरेटा सही थीं. प्रमुख अखबारों ने बहिष्कार को कवर किया. फिर उसी रात मार्टिन को रिहा कर दिया गया.



उसके कुछ ही समय बाद, कोरेटा घर पर थीं और एक दोस्त के साथ टीवी देख रही थीं. योकी पीछे के कमरे में सो रही थी. मार्टिन किसी मीटिंग में थे.

अचानक, कोरेटा ने एक शोर सुना - फिर एक ऐसा ज़ोरदार धमाका हुआ जिससे उनका पूरा घर हिल गया. शीशे चकनाचूर हो गए. हवा में धुआं भर गया. उनके घर पर किसी ने बम्ब फेंका था!



जैसे ही कोरेटा ने योकी को उठाया, वैसे ही फोन की घंटी बजी. बिना सोचे समझे कोरेटा ने फोन उठाया. "हाँ, मैंने ही वो किया है," एक आवाज ने कहा. "और मुझे खेद है कि मैं आप सभी को मार नहीं पाया ..."



जब पड़ोसी मदद के लिए आए तो कोरेटा ने फोन काट दिया. खबर सुनते ही मार्टिन जल्दी से घर दौड़े. उन्होंने देखा कि कोरेटा और योकी ठीक थे. फिर उन्होंने भीड़ का सामना किया. उन्होंने कहा, "हम नफरत का मुकाबला प्यार से करेंगे."

मार्टिन और कोरेटा जानते थे कि काले लोगों द्वारा हिंसा करने से कुछ भी हल नहीं होगा. उससे माहौल और खराब होगा.

फिर भीड़ शांत हो गई. खतरा टल गया. . . अभी के लिए. लेकिन भविष्य का क्या? कोरेटा को बार-बार ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा. क्या उसके पास वो ताकत थी?

हाँ, उसने फैसला किया. समान अधिकार बहुत महत्वपूर्ण थे. और उसका विश्वास उसे मजबूत बनाए रखेगा.

माता-पिता ने कोरेटा को खतरे से दूर उनके साथ रहने आने की विनती की. "मैं नहीं आ सकती," कोरेटा ने कहा. "मैं यहाँ मार्टिन के साथ रहना चाहती हूँ." वो जो महसूस कर रही थीं उससे कहीं ज्यादा बहादुर लगने की कोशिश कर रही थीं.

महीनों तक उन्हें धमकियां मिलती रहीं लेकिन बहिष्कार ज़ारी रहा.

बहिष्कार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में कोरेटा ने धन जुटाने का फैसला किया. कोरेटा ने न्यूयॉर्क शहर में, एक संगीत कार्यक्रम आयोजित करने में मदद की. कोरेटा उस संगीत कार्यक्रम में गायेंगी.

वो उत्तर के दर्शकों को बस बहिष्कार की कहानी कैसे सुना सकती थीं? फिर उन्हें वो समय याद आया जब उन्होंने हाई-स्कूल में गाया था. गायन के अलावा, उन्होंने स्वतंत्रता के बारे में बात करने वाली किताबों के अंश भी पढ़े थे. वो फिर से ऐसा कुछ कर सकती थीं! फिर उन्होंने आध्यात्मिक गीत गाए. उन्होंने वास्तविक जीवन की कहानियाँ सुनाईं. उनमें से एक थकी हुई दादी की थी, जो बस की सवारी करने के बजाए चलने की बात कर रही थी. फिर उन्होंने अपने शब्दों में एक गीत गाया. "मेरे पैर थक गए हैं, लेकिन मेरी आत्मा को अब आराम है."



संगीत कार्यक्रम बड़ा सफल रहा. कोरेटा ने अपने जुनून - गायन और न्याय को, मिलाने का एक तरीका खोज लिया था. कुछ सप्ताह बाद, मॉन्टगोमरी के अधिकारी काले बस सवारी करने वालों की मांगों पर सहमत हुए. अब बसों में "केवल गोरे" की सीटें नहीं होंगी. अब काले लोग जहां चाहें, वहां बैठ सकते थे. फिर बहिष्कार खत्म हुआ.



अध्याय 8

आंदोलन ने ज़ोर पकड़ा

मोंटगोमरी बस बहिष्कार, समान-अधिकारों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर अब एक राष्ट्रीय हीरो बन गए थे. वो अब अधिक-से-अधिक समय घर से दूर रहते थे. मार्टिन अन्य शहरों में रैलियों और विरोध प्रदर्शनों में भाग लेते थे. मार्टिन भाषण देने में व्यस्त रहते थे.

मार्टिन एक नया नागरिक-अधिकार संगठन भी शुरू करने में मदद कर रहे थे. वो साउथर्न क्रिस्चियन लीडरशिप आर्गेनाईजेशन (SCLC) में विकसित हुआ और उसने परिवहन के अलावा अन्य नागरिक अधिकारों के मुद्दों पर काम करना शुरू किया. SCLC का मूल विश्वास अहिंसा द्वारा परिवर्तन लाने में था.



सितंबर 1958 में, कोरेटा, योकी और अपने दूसरे बच्चे, एक वर्षीय मार्टी के साथ घर पर थी. मार्टिन न्यूयॉर्क शहर में थे, वो अपनी लिखी एक किताब की प्रतियों पर हस्ताक्षर कर रहे थे. कोरेटा, हवाई-अड्डे से अपने पति को लाने के लिए तैयार हो रही थीं जब एक टेलीफोन कॉल आया. मार्टिन को किसी ने चाकू मारा था.

तुरंत, कोरेटा ने न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भरी. अस्पताल में, कोरेटा और मार्टिन ने घंटों बातें कीं. वे इस बात से सहमत थे कि जिस महिला ने उन पर हमला किया था - वो एक मानसिक रूप से बीमार, एक काली महिला थी और उसे सजा नहीं, बल्कि मदद की सख्त ज़रूरत थी. फिर वे चुनौतियों का सामना करने के लिए पहले से कहीं अधिक तैयार हुए.



1959 के अंत में, किंग परिवार अटलांटा चला गया ताकि मार्टिन, एबेनेज़र बैपटिस्ट चर्च में अपने पिता के साथ काम कर सकें. उसके तुरंत बाद, किंग्स के लॉन में किसी ने एक क्रॉस (सलीब) को आग लगा दी.



यह किंग परिवार को डराने के लिए घृणा का एक कार्य था. हालाँकि, अब तक, कोरेटा किसी भी चीज़ के लिए खुद को तैयार महसूस कर रही थीं. वो समझ गईं थीं कि किसी अच्छे कारण के लिए खड़े होने के लिए उसकी कीमत चुकानी पड़ती है.

1960 के दशक में कई लोगों की तरह, कोरेटा वियतनाम युद्ध में अमेरिका की भागीदारी के खिलाफ थीं. वो युद्ध के विरोध में खड़ी हुईं लेकिन मार्टिन लूथर किंग जूनियर की पत्नी के रूप में ही नहीं - खुद कोरेटा स्कॉट किंग की हैसियत से. वो दूसरे देशों के नेताओं से मिलने के लिए स्विट्जरलैंड भी गईं.

वैसे अपने बच्चों की परवरिश कोरेटा की मुख्य चिंता थी. जब योकी पांच और छोटा मार्टिन तीन साल का था, तो उन्होंने रेडियो पर सुना कि मार्टिन को एक विरोध प्रदर्शन में गिरफ्तार किया गया था.

बच्चों ने पूछा, "पिताजी जेल क्यों गए?"

कोरेटा ने उत्तर दिया, "तुम्हारे पिताजी एक बहादुर और दयालु व्यक्ति हैं. वो अन्य लोगों की मदद करने के लिए जेल गए हैं."

वो चाहती थीं कि उनके बच्चे गौरवान्वित महसूस करें. वो उस आंदोलन में विश्वास करती थीं. इतना ही नहीं, वो चाहती थीं कि उन्हें भी गिरफ्तार किया जाए. लेकिन निश्चित रूप से, वो बुद्धिमानी नहीं होती. कोरेटा के पास देखभाल करने के लिए एक बढ़ता हुआ परिवार था.

साठ का दशक

1960 का दशक एक परिवर्तन का दशक था. वो ऐसे युवा लोगों द्वारा प्रेरित था - काले और सफेद दोनों - जो चाहते थे कि उनकी आवाज़ सुनी जाए. जिस एक मुद्दे का उन्होंने विरोध किया, वो वियतनाम-दक्षिण पूर्व एशिया के एक छोटे से देश, और अमेरिका के बीच युद्ध के बारे में था. मोर्चे और धरने हुए—सार्वजनिक स्थानों पर लोगों ने धरना दिया और हटने से मना किया.



जनवरी 1961 में, कोरेटा और मार्टिन का एक और बेटा हुआ. उन्होंने अपने पुराने चर्च के सम्मान में उसका नाम डेक्सटर रखा. और मार्च 1963 में, उनकी चौथी संतान हुई - बर्निस नाम की एक लड़की.

चार बच्चों के साथ भी, कोरेटा पहले से कहीं अधिक आन्दोलनों में शामिल हुईं. यह उनके बच्चों और बाकी सभी के भविष्य के लिए था.

एक बार, किंग के बच्चों ने टीवी पर एक मनोरंजन पार्क का विज्ञापन देखा. उन्होंने पिता से उन्हें वहां ले जाने को कहा. पहले तो कोरेटा ने बहाना बनाया. अंत में, उन्होंने बच्चों को सच बताया:



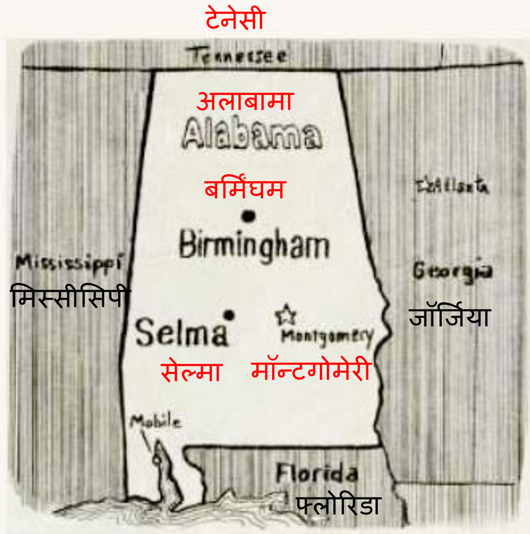
"पार्क नहीं चाहता है कि काले लोग वहां आएं. और देखो, हम लोग काले हैं."

योकी रोने लगी. तो, कोरेटा ने अपने बच्चों को वही बताया कि उनकी माँ ने उन्हें बताया था: कि वे किसी और की तरह ही अच्छे थे. फिर कोरेटा ने कहा, "और वास्तव में तुम्हारे पिताजी वही कर रहे हैं ... वो तुम्हारे लिए फ़नटाउन (मनोरंजन पार्क) जाना संभव बनाने की कोशिश कर रहे हैं. फिर तुम लोग किसी भी अन्य स्थान पर जा सकोगे."

अब मार्टिन अपना विरोध कहाँ ले जाएंगे?

अध्याय 9

बर्मिंघम और वाशिंगटन में मोर्चा



1963 की शुरुआत में, बर्निस के जन्म के ठीक बाद, मार्टिन और SCLC ने बर्मिंघम, अलबामा में विरोध शुरू करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया. बर्मिंघम शहर, अलबामा का व्यापारिक केंद्र था. वो अपने गहरे नस्लवाद के लिए भी जाना जाता था.

मार्टिन ने प्रदर्शनों की एक योजना बनाई: सिट-इन की एक श्रृंखला, जहां अफ्रीकी-अमेरिकी, सिर्फ गोरों के लंच काउंटर पर बैठते थे. उन्होंने सिटी हॉल तक विरोध मार्च निकाला. और उन्होंने उन दुकानों का बहिष्कार किया जो "अलगाव" में यकीन करते थे.





शुक्रवार, 12 अप्रैल को मार्टिन को गिरफ्तार कर लिया गया. सप्ताहांत बीत गया, और कोरेटा को अभी भी मार्टिन का कोई फोन नहीं आया. कोरेटा जानती थी कि काले पुरुषों को बर्मिंघम जेल से आसानी से बाहर ले जाया जा सकता था - और इससे पहले कि उनके ऊपर कोई मुकदमा चले - उन्हें मार डाला जा सकता था. फिर कोरेटा ने क्या किया?

उन्होंने फोन करके अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी के लिए एक संदेश छोड़ा.

सोमवार दोपहर पांच बजे फोन की घंटी बजी. कोरेटा ने फोन उठाया. छोटे डेक्सटर ने भी फोन का एक्सटेंशन उठाया और वो बच्चों की बातें करने लगा. कोरेटा को इस बात एहसास हुआ कि दूसरे छोर पर देश के राष्ट्रपति थे. उन्होंने बताया कि उनके कार्यालय ने चीजों की जांच की थी. मार्टिन ठीक-ठाक थे और वो जितनी जल्दी हो सकेगा अपने घर पर फोन करेंगे.

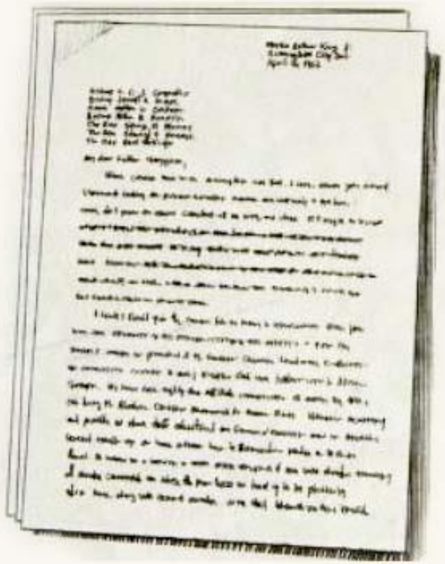


जॉन एफ़. कैनेडी

पंद्रह मिनट बाद फिर फोन की घंटी बजी. वो मार्टिन का फोन था. मार्टिन ने कहा कि उन्हें जेल की एक छोटी सी कोठरी में अकेला रखा गया था. लेकिन राष्ट्रपति के कहने के बाद (कोरेटा को उसका धन्यवाद) उन्हें फोन कॉल करने, स्नान करने और व्यायाम करने की अनुमति मिली है.

बर्मिंघम जेल से पत्र

जेल में रहते हुए, मार्टिन ने श्वेत धार्मिक नेताओं को एक पत्र लिखा, जिन्होंने बदलाव के लिए बहुत अधीर होने के लिए उनकी आलोचना की. मार्टिन ने उन्हें समझाया कि सैकड़ों वर्षों के अन्याय के बाद अब उनके लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करना असंभव था. वो पत्र अनगिनत बार प्रकाशित हुआ और वो नागरिक अधिकारों का एक प्रसिद्ध दस्तावेज बन गया.



मार्टिन ठीक-ठाक हैं यह सुनिश्चित करने के लिए तुरंत, कोरेटा बर्मिंघम गईं. जल्द ही, मार्टिन को रिहा कर दिया गया. फिर उन्होंने बर्मिंघम में ही रहने का फैसला किया. फिर 2 मई को, नागरिक-अधिकारों के एक मोर्चे पर अग्निशामकों ने तेज़ स्पीड से पानी का जेट मारा, और मर्दों, महिलाओं और बच्चों को गिराया और पटका, जिनमें से कुछ बच्चे सिर्फ छह साल के थे. पुलिस के कुत्तों ने भी मोर्चे पर हमला किया.



पहले भी इस प्रकार की हिंसा होती थी. तब जो लोग वहां नहीं मौजूद होते थे, उन्हें उस घटना के बारे में कभी कुछ मालूम नहीं पड़ता था.

लेकिन यह 1960 का दशक था, जब समाचार कार्यक्रमों के लिए टीवी का खूब उपयोग हो रहा था.



उस मोर्चे को रात के समाचार में दिखाया गया. कोरेटा ने देश के बाकी लोगों के साथ उसे देखा. बर्मिंघम के उस भयावह दृश्य ने देश का ध्यान आकर्षित किया. उसके बाद शहर को सार्वजनिक स्थानों से "केवल गोरों" और "केवल अश्वेतों" के संकेतों को हटाने और अलगाव को समाप्त करने के लिए मजबूर होना पड़ा.

मार्टिन अगले ही दिन कोरेटा के पास घर आए और उन्होंने जश्न मनाया. नागरिक-अधिकारों के आंदोलन ने अभी-अभी एक विशाल छलांग लगाई थी.



अपनी आत्मकथा में, कोरेटा ने मार्टिन को उस समय अपने विचार व्यक्त करते हुए याद किया. हर कोई उन्हें बोलते हुए सुनना चाहता था. फिर कोरेटा ने मार्टिन से कहा, ..तुम्हें वाशिंगटन में एक विशाल मोर्चे का आहवान करना चाहिए ... मुझे विश्वास है कि तुम्हारे निमंत्रण पर एक लाख से अधिक लोग देश की राजधानी में आएंगे."

वो विचार कुछ समय से मार्टिन के दिमाग घूम रहा था. लेकिन अब, मार्टिन ने उसे अपनी सहमति दी. अब उस पर कार्रवाई करने का समय आ गया था. यह स्वतंत्रता, अवसर और नौकरियों के लिए एक मोर्चा होगा. उसमें सभी रंगों और सभी पृष्ठभूमि के लोग शामिल होंगे. मार्टिन उसमें मुख्य वक्ता होंगे.

उसके लिए मार्च 23 अगस्त, 1963 का दिन निर्धारित किया गया. उसकी योजना बनाने में कई महीने लगे. एक रात पहले, कोरेटा, मार्टिन के साथ उनके होटल के कमरे में देर तक जगी रही. उन्होंने मिलकर मार्टिन के भाषण पर काम किया. जब कोरेटा सुबह उठीं, तब भी मार्टिन अपने भाषण को टाइप कर रहे थे.



मोर्चे की शुरुआत वाशिंगटन स्मारक पर एक रैली के साथ हुई. इसमें प्रसिद्ध गायक, अभिनेता, यहां तक कि बेसबॉल महान जैकी रॉबिन्सन भी शामिल हुए. फिर मोर्चे ने लिंकन मेमोरियल के लिए एक मील लंबी पैदल यात्रा शुरू की.



कोरीटा ने भीड़ को देखा. इतने सारे लोग उसने पहले कभी एक जगह नहीं देखे थे. वे 100,000 लोगों की उम्मीद कर रहे थे. लेकिन लगभग 250,000 लोग आए. और जैसे की मार्टिन चाहते थे, वे काले, गोरे और सभी धर्मों के थे.

जैसे ही मार्टिन ने अपना भाषण समाप्त किया, कोरेटा अपने पैरों पर खड़ी हो गईं. कोरेटा ने, मार्टिन का हाथ पकड़ लिया. वो भाषण ज़रूर एक इतिहास बनाएगा, वो यह जानती थीं, और उन्हें मार्टिन के करीब रहने की जरूरत थी. वो मार्टिन के साथ व्हाइट-हाउस गईं, जहां मार्टिन और मोर्चे के अन्य नेताओं ने राष्ट्रपति केनेडी के साथ एक बैठक की. फिर कोरेटा वापस होटल चली गईं. मार्टिन के इंतजार में, वो कमरे से बाहर तक नहीं निकलीं. जब मार्टिन रात 10:00 बजे वापस आए, तो उन्होंने घंटों बातें कीं.



"मेरा एक सपना है"

मार्टिन का वो भाषण अमेरिकी इतिहास के सबसे प्रसिद्ध भाषणों में से एक है. वो समानता और एकता के लिए एक नारा था, और उसने लाखों लोगों को प्रेरित किया. अंत में, उन्होंने वाक्यांश "मेरा एक सपना है," को बार-बार दोहराया, और उन्होंने लोगों को त्वचा के रंग के कारण प्रताड़ित करने के उदाहरण भी दिए. उन्होंने अपना भाषण एक दूरदृष्टि के साथ समाप्त किया: सभी पृष्ठभूमि के लोगों ने एक-दूसरे के हाथ पकड़कर, एक पुराना आध्यात्मिक गीत गाया. "आखिर स्वतंत्र. आखिर मुक्त. भगवान का शुक्र है, आखिर हम अब आजाद हैं."



वास्तव में उस एक मोर्चे से कितना बदलाव आएगा? उस प्रश्न का उत्तर किसी के पास नहीं था. कम-से-कम तब तक तो नहीं था. इसलिए अभी के लिए, कोरेटा ने और मार्टिन ने उस बेहतरीन पल की खुशी मनाई.

अध्याय 10

सेल्मा में मोर्चा

उस समय वाशिंगटन का मोर्चा अमेरिकी इतिहास में अपनी तरह का सबसे बड़ा विरोध था. और इसके बाद त्रासदी हुई: 15 सितंबर, 1963 को बर्मिंघम के एक काले चर्च में हुए बम विस्फोट में चार छोटी लड़कियों की मौत हो गई. नवंबर के अंत में, टेक्सास, डलास में राष्ट्रपति कैनेडी की गोली मारकर हत्या कर दी गई.

कोरेटा ने दुःख और निराशा महसूस की. उन मौतों ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया. फिर भी वो और मार्टिन अपने काम में लगे रहे. कई मायनों में यह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण था. जुलाई में बड़ी खबर आई, जब नए राष्ट्रपति, लिंडन बी. जॉनसन ने 1964 के, नागरिक-अधिकार अधिनियम को पारित करवाने में मदद की. देश भर में, हर राज्य और शहर में, "अलगाव" यानि रंगभेद अब कानून के खिलाफ था.

फिर भी काम खत्म नहीं हुआ. अक्टूबर तक, मार्टिन इतने थक गए थे कि कोरेटा उन्हें आराम करने के लिए अस्पताल ले गईं. अगली सुबह, एक रिपोर्टर ने घर पर फोन किया. उसने कोरेटा को बताया कि मार्टिन ने अभी-अभी नोबेल शांति पुरस्कार जीता है. कोरेटा हांफने लगी.



यह पुरस्कार दुनिया भर में सबसे प्रसिद्ध पुरस्कारों में से एक है, जो उन लोगों को दिया जाता है जो दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए सबसे अधिक प्रयास करते हैं.

कोरेटा ने मार्टिन को फोन किया. "तुम विजेता हो!" कोरेटा ने मार्टिन से कहा. मार्टिन ने सोचा कि वो शायद कोई सपना देख रहा था!

अपनी आत्मकथा में, कोरेटा ने लिखा कि ओस्लो, नॉर्वे में पुरस्कार समारोह के बाद, उन्होंने अपने दोस्तों से कहा कि "एक ऐसे व्यक्ति के साथ सहकर्मी होना एक आशीर्वाद है जिसके जीवन का ... दुनिया पर प्रभाव पड़े."

अब मार्टिन पहले से कहीं ज्यादा व्यस्त हो गए, और जब संभव होता, तब कोरेटा, मार्टिन की अनुउपस्थिति में उनका स्थान भरने की कोशिश करती थीं. नवंबर 1964 में, उन्होंने आंदोलन के लिए धन जुटाने के लिए न्यूयॉर्क शहर में अपना पहला फ्रीडम कॉन्सर्ट दिया.

संगीत कार्यक्रम ने "वी शैल ओवरकम" के साथ समाप्त हुआ. उसमें नागरिक-अधिकारों के आंदोलन की कहानी पढ़कर और गानों में बताई गई. थियेटर खचाखच भरा हुआ था. उसमें ऐसे लोग थे जो कभी नागरिक-अधिकारों की रैली में नहीं गए थे, लेकिन उन्होंने उत्सुकतावश कोरेटा का गाना सुनने के लिए टिकट खरीदे थे.

अगले वर्षों में, कोरेटा के कई और संगीत कार्यक्रम हुए, जिससे आंदोलन ने हजारों डॉलर जुटाए. लेकिन साथ में वो घर में भी व्यस्त थीं. 1965 में, अटलांटा के प्राथमिक विद्यालयों को अभी-अभी एकीकृत किया गया था. इसका मतलब था कि कोरेटा अपने बच्चों को एक ऐसे नए स्कूल में पढ़ने भेज सकती थीं, जो कि पहले सिर्फ सफेद बच्चों के लिए थे.

कोरेटा जानती थीं कि उनके बच्चे असहज महसूस कर सकते थे, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने एंटिओक कॉलेज में किया था. लेकिन अगर किंग परिवार के बच्चे एक एकीकृत स्कूल में नहीं गए, तो क्या वो नागरिक-अधिकारों के आंदोलन की लड़ाई के खिलाफ नहीं होगा?

उस पहली सुबह, किंग बच्चे पंजीकरण कराने के लिए स्कूल के कैफेटेरिया से गुजरे. तब एक रिपोर्टर ने कोरेटा को रोका. प्रिंसिपल ने रिपोर्टर से यह कहते हुए वहां से जाने का आदेश दिया, "हम इस स्कूल में प्रेस से बात नहीं करते हैं."



कोरेटा ने बाद में एक रिपोर्टर को बताया कि वो स्कूल के बाद बच्चों को कहाँ ले जाएंगी. कोरेटा ने सोचा कि ऐसा कुछ समाचार ज़रूर होना चाहिए - स्कूलों का शांतिपूर्ण एकीकरण.

लगभग उसी समय, मार्टिन और SCLC ने अफ्रीकी-अमेरिकियों को वोट देने में मदद करने के लिए ज़ोर लगाना शुरू किया. मतदान करने के लिए, किसी व्यक्ति को अपने शहर में एक सूची में अपना नाम दर्ज कराना होता था. कई दक्षिणी राज्यों में, पंजीकरण कराने का प्रयास करने वाले काले लोगों को शहर के एक कार्यालय में घंटों लाइन में इंतजार करना पड़ता था. फिर, पंजीकरण कराने की उनकी बारी आने से ठीक पहले, कार्यालय बंद हो जाता था.

इसलिए मार्टिन ने एक और मोर्चे की योजना बनाई. वो सेल्मा, अलबामा में शुरू होगा, और चौबीस मील दूर मोंटगोमरी तक जाएगा. इसमें कई दिन लगेंगे. कोरेटा खुश थीं. सेल्मा, उनके गृहनगर के पास था.

7 मार्च को, प्रदर्शनकारियों ने मोर्चा शुरू किया. मार्टिन अटलांटा के घर में थे. हर कोई इस बात पर सहमत था कि उन्हें गिरफ्तारी से बचना चाहिए. इस तरह, मार्टिन जेल से बाहर रह सकते थे और विरोध को निर्देशित कर सकते थे.

मार्टिन को हिंसा की उम्मीद नहीं थी. लेकिन राज्य के सैनिकों ने मार्च करने वालों पर लाठियों और आंसू-गैस से हमला किया. आंदोलनकारी अपनी मार्च जारी नहीं रख सके. भयभीत, मार्टिन एक दूसरी योजना बनाने के लिए तुरंत सेल्मा के लिए रवाना हो गए.



कोरेटा बहुत चिंतित थीं. उन्होंने इस बात की अफवाहें सुनी थीं कि मार्टिन को मार डाला जाएगा. और उस समय कोरेटा स्वतंत्रता समारोहों की एक श्रृंखला में प्रदर्शन करने के लिए पूरे देश में घूम रही थीं. कोरेटा ने अपने एक दोस्त से कहा, "मुझे अपनी चिंता का विरोध करना होगा. हमें पता है कि हम जो कर रहे हैं वो सही है."

9 मार्च को मार्टिन ने दूसरा मार्च शुरू किया. एक बार फिर, राज्य के सैनिकों ने उनका रास्ता रोक दिया. लोगों की जान के डर से मार्टिन ने उस मोर्चे को बंद कर दिया.



उस रात, बोस्टन के एक श्वेत मंत्री की श्वेत अलगाववादियों द्वारा हत्या कर दी गई. क्यों? मंत्री ने अश्वेत मालिक के एक रेस्टोरेंट में खाना खाया था.

उससे पूरा राष्ट्र हिल गया. क्या कुछ किया जा सकता था. मार्च करने वालों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रपति जॉनसन ने सेल्मा में सेना की टुकड़ी भेजी.

फिर विरोध में शामिल होने के लिए हजारों लोग सेल्मा में आए. कोरेटा, ने अपने दौरे को समाप्त किया और वो भी पहुंचीं. मार्च के अंतिम चरण तक, भीड़ पचास हजार से अधिक थी.

"ओह, वो अच्छा था, बहुत अच्छा," कोरेटा ने बाद में कहा.



कोरेटा ने डेक्सटर एवेन्यू बैपटिस्ट चर्च से अपना मार्च शुरू किया... वो अपने माता-पिता के पास से गुजरीं, जो भीड़ की जयकार कर रहे थे. फिर वो सीधे राज्य की राजधानी पहुंचीं.

कोरेटा ने प्लेटफॉर्म पर रोजा पार्क्स को देखा. उन्होंने मोंटगोमरी बस बॉयकॉट के बाद के वर्षों के बारे में सोचा. हाँ, रास्ते में भयानक परेशानी हुईं थीं. लेकिन नागरिक-अधिकार कार्यकर्ता आंदोलन को यहाँ तक लाए थे. और वे उसे और भी आगे बढ़ाएंगे.



अध्याय 11

एक नई दिशा

राष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन ने आंदोलन की ताकत को समझा. सेल्मा मार्च के बाद, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि कांग्रेस 1965 के मतदान अधिकार अधिनियम को 6 अगस्त को पारित करे. उस क़ानून ने मतदान कानूनों में सभी भेदभावों को खारिज कर दिया.

अब मार्टिन ने उत्तर की ओर देखा. वहां के राज्यों में अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के लिए क्या किया जा सकता था? उत्तरी शहरों में यहूदी बस्ती थी, झोपड़-पट्टी के क्षेत्र थे, जहाँ केवल गरीब अफ्रीकी-अमेरिकी रहते थे. अधिकांश के पास कहीं और जाने के लिए और कोई स्थान नहीं था. सफेद पड़ोस उन्हें बाहर रख रहे थे.

जातीय तनाव अपने चरम पर था. नागरिक-अधिकारों में लाभ के बाद भी, अफ्रीकी-अमेरिकियों को निराशा ही हुई कि उन्हें अभी भी इतना लंबा रास्ता तय करना बाकी था. कई लोग संघर्ष करते-करते तंग आ चुके थे.

वे पलटवार करना चाहते थे. वे उन्हें इस बात पर विश्वास नहीं रहा था कि शांतिपूर्ण विरोध से उन्हें कोई हल मिलेगा. दंगे शुरू हो गए. झगड़े हुए. संपत्ति नष्ट हुई. मार्टिन और कोरेटा समझ गए कि ऐसा क्यों हो रहा था. लेकिन वे अब भी मानते थे कि हिंसा उसका जवाब नहीं था.

1966 की शुरुआत में, मार्टिन ने शिकागो में एक गरीब समुदाय के बीच में एक अपार्टमेंट किराए पर लिया, ताकि वहां रहकर वो लोगों को शांत करने की कोशिश कर सके. कोरेटा उस गर्मी में बच्चों को वहां लाईं. अपार्टमेंट छोटा और गन्दा था, और पड़ोस भी गंदा था. यह उस जीवन से बहुत अलग था जो किंग्स अटलांटा में जीते थे.



फिर भी, उन परिस्थितियों में रहते हुए भी, कोरेटा यह जानती थीं कि उनका परिवार सबसे बेहतर स्थिति में था. कुछ घरों में गर्मी का कोई इतंजाम नहीं था, या फिर पानी नहीं था.

गर्मियों में, कोरेटा और बच्चे रैलियों में गए. उन्होंने मार्टिन की बातें सुनीं. लेकिन यह एक कठिन समय था, उनकी सड़क पर ही दंगे हो रहे थे.



अगस्त के अंत में, उचित आवास के लिए एक समझौता हुआ. अश्वेत लोगों के लिए घर खरीदने के लिए कर्ज लेना आसान हो गया. लेकिन इससे कुछ खास फायदा नहीं हुआ. अश्वेत लोगों को कोई अपना घर नहीं बेचना चाहता था. दंगे जारी रहे और मार्टिन निराश हो गए. "मुझे आप पर विश्वास है," कोरेटा ने मार्टिन से कहा. "अगर इसका कोई मतलब है."

"हाँ," मार्टिन ने जवाब दिया. "इसका मतलब बहुत बड़ा है."

मार्टिन समाधान खोजते रहे. हालाँकि वे हिंसा के खिलाफ थे, उन्हें लगा कि "कोई भी दंगा, अनसुने लोगों की जुबान होती है." मार्टिन ने सोचा कि अधिक नौकरियां उसका उत्तर हो सकती थीं. एकीकरण सफल होने के लिए, काले पुरुषों, महिलाओं - और सभी को - बेहतर भुगतान वाली नौकरियों की आवश्यकता थी. इसलिए उन्होंने वो प्रोजेक्ट लिया और फिर वो यात्रा पर निकाल पड़े. और जब भी संभव हुआ, कोरेटा और बच्चों ने भी उनके साथ यात्रा की.

1968 के वसंत में, मार्टिन स्वच्छता कर्मचारियों को बेहतर वेतन और काम करने की बेहतर स्थिति दिलवाने के लिए मेम्फिस, टेनेसी गए. कोरेटा सुबह जल्दी उठीं और वो दरवाज़े तक गईं. उन्होंने दरवाजे तक मार्टिन का पीछा किया और उनसे अलविदा कहा. कोरेटा ने सोचा, वो एक सामान्य अलविदा थी. लेकिन वो गलत थीं.

अध्याय 12

मार्टिन के बाद का जीवन

बाद में उस दिन, 3 अप्रैल, मार्टिन मेम्फिस में एक रैली में दिखाई दिए. उन्होंने अपने सबसे प्रसिद्ध भाषणों में से एक दिया, यह कहते हुए, "मैं पर्वत की चोटी पर गया हूँ. . . और मैंने अपने वादे वाले देश को देखा है. शायद मैं तुम्हारे साथ वहां न जा पाऊं. लेकिन मैं चाहता हूं कि आप लोग आज रात यह जान लें कि हम अपने वादे वाले देश में ज़रूर पहुंचेंगे."

अगली रात, कोरेटा को वह फोन आया जिसको लेकर उनके दिल में हमेशा से डर था: मार्टिन को तब गोली मार दी गई, जब वो अपने मोटल की बालकनी में खड़े थे. आखिरकार, जेम्स अर्ल रे को गिरफ्तार किया गया. वो एक गोरा आदमी था जो पहले से ही कई अन्य अपराध कर चुका था.

इस बीच, कोरेटा ने मेम्फिस के लिए अपनी अगली उड़ान बुक की.



अटलांटा में हवाई अड्डे पर, उन्होंने लाउडस्पीकर पर अपना नाम सुना. वो जानती थीं कि उसका क्या मतलब था. मार्टिन की मौत हो गई थी. कोरेटा का एक हिस्सा इस पर विश्वास नहीं कर सका. लेकिन उन्हें उस बात पर यकीन करना पड़ा. वो रोती हुई एयरपोर्ट पर खड़ी रहीं.

इसके बाद वो अपने बच्चों के पास घर चली गईं.



राष्ट्रपति जॉनसन ने कोरेटा को यह कहने के लिए बुलाया कि उन्हें मार्टिन की मौत का कितना खेद था. टीवी पर राष्ट्रपति ने देश को मार्टिन और उनकी मौत के बारे में बताया. देखते ही देखते हजारों लोग सम्मान में किंग परिवार के घर पहुंचे. उनमें से अधिकांश मार्टिन को पहले से नहीं जानते थे. लेकिन वे इतना जानते थे कि मार्टिन ने दुनिया को बेहतर बनाने के लिए अपनी जान दे दी थी. पूरा देश शोकाकुल था.

कोरेटा ने पत्रकारों से बात की. वो चाहती थीं कि दुनिया को यह पता चले कि मार्टिन मौत से नहीं डरते थे. वो केवल उनतालीस साल के थे. लेकिन मार्टिन के लिए वर्षों की संख्या मायने नहीं रखती थी. जो मायने रखता था वो था कि उन्होंने अपने उन सालों को कितनी अच्छी तरह से जिया था.

कोरेटा 8 अप्रैल को एक रैली में मार्टिन के स्थान पर मोर्चे में भाग लेने के लिए मेम्फिस गईं. लेकिन वो वहाँ नहीं रुकीं. मार्टिन के जाने के बाद उन्हें और भी बहुत कुछ करने की जरूरत थी.

मरने के कुछ ही हफ्तों बाद, कोरेटा ने न्यूयॉर्क शहर में एक युद्ध-विरोधी रैली में भाषण दिया. अगले महीने, उन्होंने गरीब परिवारों का समर्थन करने के लिए वाशिंगटन, डीसी में "मदर्स-डे" परेड का नेतृत्व किया. उसके एक महीने बाद, उन्होंने लिंकन मेमोरियल के सामने हजारों लोगों को भाषण दिया, जहाँ मार्टिन ने 1963 में अपना "आई हैव ए ड्रीम" भाषण दिया था.



फिर कोरेटा के दिमाग में एक विचार आया : मार्टिन की याद में एक स्मारक केंद्र बनाना, उनकी विरासत को जीवित रखना और नागरिक-अधिकारों के लिए लड़ना. 1968 में, कोरेटा ने अपने बेसमेंट में एक कार्यालय खोला. उन्होंने एक कर्मचारी को काम पर रखा. उन्होंने अपने कागजात और किताबें एकत्रित करे. वो चाहती थीं कि यह नया केंद्र पूरे आंदोलन की जानकारी प्रदर्शित करे.



अहिंसक विरोध की सीख को कक्षाओं और कार्यक्रमों को शामिल करना. योग्य छात्रों को छात्रवृत्ति देना.

काम थोड़ा-थोड़ा करके आगे बढ़ता गया. फिर मार्टिन लूथर किंग जूनियर अहिंसक सामाजिक परिवर्तन केंद्र बन गया. 1981 में, वो अटलांटा में एक राष्ट्रीय ऐतिहासिक पार्क में शिफ्ट हुआ, जहां मार्टिन बड़े हुए थे. इसमें उनके बचपन का घर, एबेनेज़र बैपटिस्ट चर्च और उनकी कब्र स्थल भी शामिल थी.

उसी समय, कोरेटा ने मार्टिन के जन्मदिन को एक राष्ट्रीय अवकाश बनाने के लिए अथक प्रयास किया. 1986 में वो संभव हुआ.

कोरेटा लगातार मोर्चों में भाग लेती रहीं, बोलती रहीं, और लोगों के अधिकारों के लिए लड़ती रहीं. पूरी दुनिया में, वो रॉयल्टी और सरकार के प्रमुखों से मिलीं. वो एक ऐसी नेता थीं, जिन्हें हर जगह लोग जानते थे. 1985 में, उन्हें दक्षिण अफ्रीका के कठोर अलगाव कानूनों का विरोध करने के लिए जेल में डाल दिया गया.

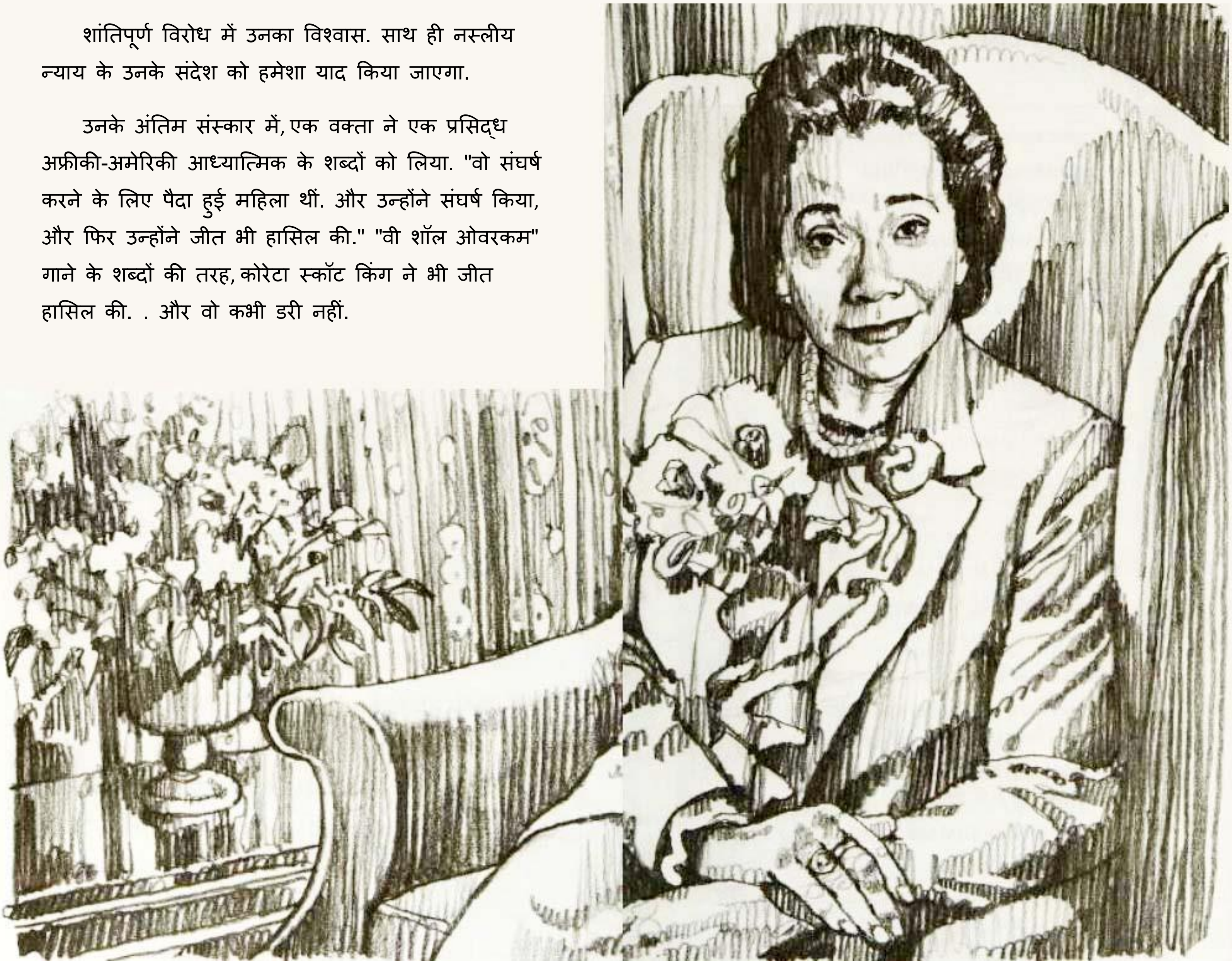
कोरेटा की अंतिम उपस्थिति 14 जनवरी, 2006 को मार्टिन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक रात्रिभोज में थीं. वो कैंसर से जूझ रही थीं, और एक स्ट्रोक ने उन्हें बोलने में असमर्थ बना दिया था. लेकिन लोगों ने उनकी मजबूत उपस्थिति को महसूस किया. दो हफ्ते बाद, उनकी मृत्यु हो गई.



उनके अंतिम संस्कार में चार राष्ट्रपतियों ने भाग लिया. दुनिया भर में लोगों ने शोक जताया. उन्होंने समाज को बहुत कुछ दिया था और बहुत से लोगों की परवाह की थी—काले लोगों, गोरे लोगों, महिलाओं, बच्चों, गरीबों की. सूरज के नीचे हर किसी की.

शांतिपूर्ण विरोध में उनका विश्वास. साथ ही नस्लीय न्याय के उनके संदेश को हमेशा याद किया जाएगा.

उनके अंतिम संस्कार में, एक वक्ता ने एक प्रसिद्ध अफ्रीकी-अमेरिकी आध्यात्मिक के शब्दों को लिया. "वो संघर्ष करने के लिए पैदा हुई महिला थीं. और उन्होंने संघर्ष किया, और फिर उन्होंने जीत भी हासिल की." "वी शॉल ओवरकम" गाने के शब्दों की तरह, कोरेटा स्कॉट किंग ने भी जीत हासिल की. . और वो कभी डरी नहीं.



कोरेटा स्कॉट किंग के जीवन की समयरेखा

1927 कोरेटा स्कॉट किंग का जन्म 27 अप्रैल को हुआ

1945 ओहियो में एंटिओक कॉलेज में गईं

1953 मार्टिन लूथर किंग जूनियर से शादी

1954 मॉन्टगोमरी, अलबामा में स्थानांतरण

1955 पहला बच्ची योलान्डा (योको) पैदा हुई

1955 मोंटगोमरी बस बहिष्कार शुरू करने में मदद की

1957 दूसरे बच्चे, मार्टिन लूथर किंग III का जन्म

1959 अटलांटा चली गईं, जहां पर मार्टिन, एबेनेजर बैपटिस्ट चर्च में पादरी थे

1961 तीसरे बच्चे डेक्सटर, का जन्म

1962 स्विट्ज़रलैंड में एक अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन में प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया

1961 चौथे बच्चे बर्निस का जन्म

1961 वाशिंगटन मोर्चे में भाग लिया

1964 में न्यूयॉर्क शहर में पहला फ्रीडम कॉन्सर्ट आयोजित किया

1965 सेल्मा मोर्चे में भाग लिया

1968 मार्टिन के मारे जाने के बाद मेम्फिस मोर्चे का नेतृत्व किया

1968 अहिंसक सामाजिक परिवर्तन के लिए मार्टिन लूथर किंग जूनियर केंद्र की स्थापना की

1985 दक्षिण-अफ्रीका में अलगाव का विरोध करने के लिए वाशिंगटन डीसी में गिरफ्तार

2006 जनवरी 30 को अठहत्तर साल की उम्र में निधन

दुनिया की समयरेखा

1927 चार्ल्स लिंडबर्ग ने अटलांटिक महासागर के पार पहली नॉनस्टॉप एकल उड़ान भरी

1927 जैज सिंगर का प्रीमियर; "टॉकिंग" फिल्मों की शुरुआत

1939 द्वितीय विश्व-युद्ध शुरू

1947 जैकी रॉबिन्सन मेजर लीग बेसबॉल टीम में पहले अश्वेत खिलाड़ी बने

1954 सुप्रीम कोर्ट ने ब्राउन बनाम शिक्षा बोर्ड में स्कूल अलगाव को असंवैधानिक बताया

1955 रे क्रोक ने इलिनोइस के डेस प्लेन्स में, पहला मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट खोला

1960 सत्रह अफ्रीकी देशों ने यूरोपीय शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की

1962 अंतरिक्ष यात्री जॉन ग्लेन, पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले पहले अमेरिकी बने

1963 22 नवंबर कोराष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की हत्या कर दी गई

1965 राष्ट्रपति लिंडन जॉनसन ने 1965 के मतदान अधिकार अधिनियम पर हस्ताक्षर किए

1965 वियतनाम में पहली बार अमेरिकी सैन्य टुकड़ियों को भेजा गया

1968 डगलस सी. एंगेलबार्ट द्वारा आविष्कार किया कंप्यूटर माउस
और दुनिया का पहला जंबो जेट 747 दोनों बाज़ार में आये

1985 टाइटैनिक के मलबे की खोज की गई,
माइकल जॉर्डन को एनबीए “रूकी ऑफ द ईयर” नामित किया गया

2006 न्यूयॉर्क शहर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का निर्माण शुरू हुआ